राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

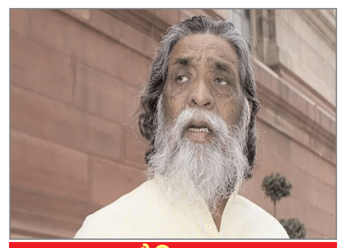

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, रविवार, 09 नवंबर 2025
वर्ष 14, अंक 206, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सड़क चौड़ीकरण के लिए चला प्रशासन का बुलडोजर, मस्जिद की सीढ़ियां वकीलों के घरों के सामने अतिक्रमण ध्वस्त ..03

12 साल से अधर में लटका अकबरपुर संपर्क मार्ग का निर्माण, गड्ढों में समाई 'गड्ढा मुक्त सड़क' योजना..04

बिहार चुनावः पश्चिमी चंपारण की नौ में से छह सीटों पर लड़ रही कांग्रेस फिर से अग्निपरीक्षा में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया- महागठबंधन की दूसरे सबसे बड़ी साझीदार कांग्रेस पश्चिमी चंपारण जिले में एक बार फिर अग्निपरीक्षा से गुजर रही है. कांग्रेस को यहां नौ में से छह सीट लड़ने को मिली है. इस बार तीन सीटों में उसकी लड़ाई अच्छी मानी जा रही है जबकि नरकटियागंज में उसकी राजद से दोस्ताना लड़ाई उसे कमजोर कर रही है. कांग्रेस पिछले चुनाव में पश्चिम चंपारण की सात सीटों- वाल्मीकिनगर, रामनगर, नरकटियागंज, बगहा, नौतन, चनपटिया, बेतिया में चुनाव लड़ी थी लेकिन किसी भी सीट पर जीत नहीं पाई. सभी सीटों पर उसकी हार का अंतर भी बड़ा था. सबसे अधिक वोट (41.33 फीसदी) बेतिया और चनपटिया (40.03 फीसदी) मिले थे. वाल्मीकि नगर में उसे 27.28, रामनगर में 31.28, नरकटियागंज में 33.02, बगहा में 33.2 नौतन में 31.51, फीसदी वोट मिले थे. इन सभी स्थानों पर कांग्रेस प्रत्याशियों के हार का अंतर बड़ा था. सबसे कम अंतर के हार वाली सीट चनपटिया थी जहां कांग्रेस प्रत्याशी अभिषेक रंजन 13469 मतों से पराजित हुए थे. वाल्मीकि नगर में 21585, रामनगर (सुरक्षित) में 15796, नरकटियागंज में 21134, बगहा में 30020, नौतन में 25896 और बेतिया में 18079 वोट के अंतर से हार हुई थी।

इस चुनाव में कांग्रेस को सात के बजाय छह सीट वाल्मीकिनगर, नरकटियागंज, बगहा, नौतन, चनपटिया और बेतिया लड़ने को मिली है. रामनगर सीट राजद ने अपने पास रख ली है. लौरिया में वीआईपी के रणकुशल प्रताप सिंह लड़ रहे हैं तो सिकटा पर भाकपा माले के सीटिंग विधायक वीरेन्द्र गुप्ता फिर से मैदान में हैं. पश्चिमी चंपारण जिले में महागठबंधन का प्रदर्शन पिछले चुनाव में बहुत खराब रहा और वह सिर्फ सिकटा की सीट जीत पाई. इस सीट पर भाकपा माले के वीरेन्द्र गुप्ता 2302 मतों से विजयी हुए थे. कांग्रेस और राजद एक भी सीट नहीं जीत सकी थी. भाजपा के इस मजबूत गढ़ में महागठबंधन कांग्रेस के प्रदर्शन पर निर्भर कर रहा है जिसका स्ट्राइक रेट पिछले चुनाव में काफी कमजोर था।

नरकटियागंज का हाल

कांग्रेस ने अपनी छह सीटों में से चार सीटों पर प्रत्याशी बदल दिए हैं. चनपटिया में अभिषेक रंजन और बगहा में जयेश मंगल सिंह पर फिर से भरोसा जताते हुए टिकट दिया गया है. वाल्मीकि नगर से सुरेन्द्र कुशवाहा, नरकटियागंज से शाश्वत केदार पांडेय, नौतन से अमित गिरी और बेतिया से वसी अहमद को चुनाव मैदान में उतारा गया है. सबसे अजीब स्थिति नरकटियागंज की है जहां कांग्रेस और राजद दोनों चुनाव लड़ रहे है. कांग्रेस से शाश्वत केदार पांडेय, तो राजद से दीपक यादव चुनाव मैदान में लड़ रहे हैं. इसे दोस्ताना लड़ाई कहा गया है. दीपक यादव बगहा चीनी मिल के प्रबंध निदेशक हैं तो शाश्वत केदार पांडेय बिहार के मुख्यमंत्री रहे केदार पांडेय के पौत्र हैं. भाजपा ने यहां सीटिंग विधायक रश्मि वर्मा का टिकट काटकर संजय कुमार पांडेय को चुनाव मैदान में उतारा है. राजद प्रत्याशी दीपक यादव हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से सामान्य प्रबंधन की पढ़ाई की है. उद्योगपति दीपक यादव ने एफीडेविट में अपनी संपत्ति 70 करोड़ दिखाई है. वह लोकसभा चुनाव राजद के टिकट से वाल्मीकिनगर लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े और 4,24,747 वोट प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रहे.उनके समर्थन में महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे तेजस्वी यादव जनसभा कर चुके हैं. शुक्रवार को भोजपुरी अभिनेता-गायक खेसारी यादव ने राजद प्रत्याशी के समर्थन में रोड शो किया जिसमें

काफी भीड़ जुटी. कांग्रेस प्रत्याशी शाश्वत केदार पांडेय के पक्ष में वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी, सुबोध कांत सहाय, अखिलेश प्रसाद सिंह ने सभाएं की हैं. पश्चिम चंपारण जिले में राहुल गांधी की अभी कोई सभा नहीं हुई. सांसद प्रियंका गांधी ने वाल्मीकिनगर और चनपटिया में कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में सभा की है. नरकटियागंज में आपसी लड़ाई में कांग्रेस की स्थिति कमजोर पड़ गई है. विधानसभा क्षेत्र के सिसवा में चाय के दुकानदार ने कहा कि आपस में लड़ने से दोनों के वोट कटेंगे. इसी जगह पान की दुकान पर जुटे युवाओं की राय थी कि दोनों में से किसी एक को बैठ जाना चाहिए था. आदर्श कुशवाहा का कहना था कि राजद का बोलबाला है इसलिए उसको ही यहां से चुनाव लड़ना ठीक है. लोग राजद प्रत्याशी दीपक यादव की स्थिति मजबूत बता रहे थे. यूपी से चुनाव प्रचार करने आए कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि वाल्मीकिनगर, बगहा और बेतिया में कांग्रेस प्रत्याशी ठीक लड़ाई लड़ रहे हैं. उन्होंने माना कि नरकटियागंज में दोस्ताना लड़ाई में कांग्रेस कमजोर पड़ी है. वाल्मीकिनगर में जदयू प्रत्याशी धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिंकू सिंह दो बार से लगातार चुनाव जीत रहे हैं. वे 2015 में पहली बार निर्दल लड़े और जीत कर विधायक बने. दूसरी बार 2020 में जदयू के टिकट पर लड़े और कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व मंत्री राजेश सिंह को हराया. इस बार कांग्रेस प्रत्याशी सुरेन्द्र प्रसाद कुशवाहा उन्हें अच्छी टक्कर दे रहे हैं. अपनी बिरादरी के अलावा महागठबंधन के कोर वोट भी मिलते नजर आ रहे हैं हालांकि वे जदयू प्रत्याशी के प्रचार के मुकाबले कमजोर पड़ रहे हैं. जदयू प्रत्याशी का सभी तबकों में पार्टी के साथ-साथ व्यक्तिगत आधार भी है. उनका छोटी-छोटी जगहों पर प्रचार कार्यालय खुले हैं. शुक्रवार को हरनाटांड़ में जदयू प्रत्याशी के पक्ष में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभा की. सभा में अच्छी भीड़ जुटी थी. महिलाओं की संख्या भी अच्छी-खासी थी. कांग्रेस प्रत्याशी सुरेन्द्र प्रसाद कुशवाहा के पक्ष में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी हरनाटांड़ में ही पांच नवंबर को सभा कर चुकी हैं. हरनाटांड़ में दोनों की सभा की तुलना कर रहे लोगों ने बताया कि प्रियंका गांधी के मुकाबले नीतीश कुमार की सभा अधिक प्रभावशाली थी.

बगहा में कांग्रेस प्रत्याशी जयेश मंगल सिंह अपने प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी राम सिंह को कड़ी टक्कर दे रहे हैं. भाजपा प्रत्याशी पिछड़ी जाति चनउ से आते हैं जबकि कांग्रेस प्रत्याशी राजपूत विरादरी के हैं. राजपूत मतों को कांग्रेस में जाने से रोकने के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बगहा के बबुई टोला खेल मैदान में सभा की. इस विधानसभा क्षेत्र में निषाद मतदाताओं की संख्या भी अच्छी-खासी है. इसी के मद्देनजर कांग्रेस प्रत्याशी जयेश मंगल सिंह ने वीआईपी पार्टी के अध्यक्ष मुकेश सहनी की सभा का आयोजन बगहा के विमल बाबू मैदान में पांच नवंबर को आयोजित किया लेकिन मुकेश सहनी सभा में नहीं पहुंच सके. उन्होंने मोबाइल से सभा को संबोधित किया. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने उनके हेलीकॉप्टर को उतरने की परमिशन नहीं दी. चनपटिया में कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशी से भी अधिक जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी त्रिपुरारी कुमार तिवारी उर्फ मनीष कश्यप की चर्चा हो रही है. चर्चित यू ट्यूबर मनीष कश्यप भाजपा से जन सुराज पार्टी में आए हैं. उनकी मजबूत उपस्थिति की चर्चा चनपटिया के अलावा आस-पास के क्षेत्रों में भी है।

लोग यहां पर चुनावी संघर्ष को भाजपा, कांग्रेस और जनसुराज के बीच बता रहे हैं.

नौतन में भी जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी संतोष चौधरी की चर्चा है. यहां पर कांग्रेस से अमित गिरी चुनाव चुनावी मैदान में हैं. भाजपा से सीटिंग विधायक नारायण प्रसाद चुनाव लड़ रहे हैं. बेतिया में कांग्रेस ने वसी अहमद की स्थिति ठीक मानी जा रही है. उनका मुकाबला सीटिंग विधायक रेणु देवी से है. यहां निर्दलीय प्रत्याशी रोहित कुमार सिकारिया और जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी अनिल कुमार सिंह भी जोर लगाए हुए हैं. रोहित कुमार सिकारिया की पत्नी गरिमा देवी सिकारिया बेतिया नगर निगम की मेयर हैं. रोहित सिकारिया के पक्ष में भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह, अरविंद अकेला, आस्था सिंह सहित कई कलाकारों ने रोड शो किए हैं. भाजपा उम्मीदवार रेणु देवी बिहार की उपमुख्यमंत्री रही हैं और 2005 से लगातार जीतती आ रही हैं. हालांकि इस बार उनके खिलाफ एंटी इनकंबेंसी है लेकिन उसका फायदा कांग्रेस कितना उठा पाती है, देखना होगा. कांग्रेस पश्चिम चंपारण जिले की जिन सीटों पर चुनाव लड़ रही है, उसमें से अधिकतर सीटें महागठबंधन की जीत से बहुत दूर रही हैं. कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पूर्वी और पश्चिमी चंपारण जिले के मोतिहारी, बेतिया, नौतन विधानसभा क्षेत्र से गुजरी थी. बिहार में बदलाव के नारे, नौकरी-रोजगार के बड़े वादों और गठबंधन के साथ-साथ सामाजिक आधार को और बड़ा बनाने की कोशिश पश्चिमी चंपारण जिले में कांग्रेस को मिली कड़ी जमीन को कितना उपजाऊ बना पाती है, यह 14 नवंबर को आने वाला परिणाम बता पाएगा।

NDA का मिशन सभी वर्गों का कल्याण, C M मोहन यादव ने कांग्रेस पर भी बोला जोरदार हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक डॉ. मोहन यादव ने 8 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान जनसभाएं कीं. उन्होंने कई विधानसभाओं में जनता से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (N D A) के पक्ष में मतदान करने की अपील की. सीएम डॉ. यादव ने बांका जिले की बेलहर विधानसभा में मनोज यादव, मोतिहारी जिले की पिपरा विधानसभा में श्यामबाबू यादव और गया जिले की बोधगया विधानसभा में श्यामदेव पासवान के लिए जनता से समर्थन मांगा।

इन सभाओं में वे जनता को यह बात मनाने में सफल रहे कि केवल एनडीए ही उनके सपनों को साकार कर सकती है. उन्होंने कहा कि यह धर्म-अधर्म के बीच की लड़ाई है. कांग्रेस के पप्पू को बिल्कुल समझ नहीं है. राहुल गांधी को पता है कि चुनाव बिहार में है, लेकिन वो मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में छुट्टियां मना रहे हैं. बिहार चुनाव में कांग्रेस की हालत बिन दूल्हे के बारात की है।

एनडीए में दो भाइयों की जोड़ी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि एनडीए में दो भाइयों की जोड़ी है. डबल इंजन की सरकार है. ये जोड़ी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की है. उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण जहां होते हैं वहां कौरवों की विशाल सेना के बीच भी जीत पांच पांडवों की होती है. हमारे भी नेता नीतीश कुमार, चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी जीत की ओर अग्रसर हैं. जनता का चुनावी तीर निशाने पर ही लगने वाला है. इस तीर को कोई नहीं रोक सकता. भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन के माध्यम से कर्मवाद की शिक्षा दी।

आज भारत बदल चुका है- यादव

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज पूरे देश में लाल सलाम को आखिरी सलाम करने का समय आ गया है. अब नक्सलवाद के खात्मे का समय आ गया है. इसी तरह अगर देश में कोई आतंकवाद की घटना घट जाए, तो हमारी सेना दुश्मन को घर में घुसकर मारती है. आज हिंदुस्तान पूरी तरह बदल चुका है. अब अगर पाकिस्तान गोली चलाता है, तो हमारा देश उसी भाषा में जवाब देता है।

सीएम यादव ने कांग्रेस पर भी बोला हमला

मध्यप्रदेश के मुखिया ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने भी धर्म-अधर्म के बारे में बताया है. उन्होंने कहा कि कोई अन्याय करे तो उसे उसकी जबान में ही जवाब दें, उसे बर्दाश्त करने की आवश्यकता नहीं है. देश तब मजबूत होता है जब उसके नागरिकों की के नागरिकों की सुरक्षा की जाए और हर वर्ग पर ध्यान दिया जाए. केंद्र सरकार सभी वर्गों के कल्याण के साथ कार्य करते हुए भारत को सशक्त बना रही है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश का प्रत्येक गरीब, किसान आगे बढ़ रहा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पप्पू को समझ नहीं आया कि चुनाव कैसे होता है. कांग्रेस के इतने बड़े नेता हैं राहुल गांधी. उन्हें जरा भी समझ नहीं है. चुनाव बिहार में है और वो मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में छुट्टियां मना रहे हैं. बिहार चुनाव में कांग्रेस की हालत बिन दूल्हे की बारात की तरह है।

सभी वर्गों का कल्याण करने वाली एनडीए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गया जिले की बोधगया विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार लोगों के जीवन में बदलाव ला रही है. हर वर्ग का बच्चा आगे बढ़ना चाहिए. हमारी सरकार सभी वर्गों का कल्याण करने वाली सरकार है. जो नेता चुनाव के पहले मैदान छोड़ दे, वह क्या जीतेगा. कांग्रेस के नेता मानसिक रूप से पहले ही बिहार का चुनाव हार चुके हैं. उन्होंने कहा कि एनडीए के सभी नेता चुनाव को लेकर दिन-रात एक किए हुए हैं. उन्होंने कहा कि हारने के बाद कांग्रेस ईवीएम, चुनाव आयोग पर ठीकरा फोड़ देगी. खैर, विपक्ष को जो कहना है कहे, जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जानती है. उन्होंने कहा कि आज बिहार सुशासन का उदाहरण बना हुआ है. यहां समय के साथ-साथ बदलाव हुआ है. डबल इंजन की सरकार होगी तो विकास भी वैसे ही होगा।

संक्षिप्त ख़बरें

क्या है पुणे जमीन विवाद मामला, क्यों मुश्किल में हैं पार्थ की कंपनी के अधिकारी?

महाराष्ट्र के पुणे में एक जमीन सौदे को लेकर राजनीति गरमा गई है. प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार की कंपनी 'अमाडेया इंटरप्राइजेज एलएलपी' पर आरोप लगे हैं कि उसने सरकारी जमीन को बाजार मूल्य से काफी कम कीमत पर खरीदी है. आरोपों के मुताबिक पुणे के मुंधवा इलाके की करीब 40 एकड़ जमीन, जिसका कीमत लगभग 1800 करोड़ रुपये है, उसे महज 300 करोड़ रुपये में पार्थ की कंपनी को दे दिया गया. आरोप है कि यह जमीन महार वतन श्रेणी की सरकारी जमीन थी, जिसका निजी खरीदार को बेचना कानूनन वर्जित है. सौदे में अनधिकृत पंजीकरण, स्टाम्प ड्यूटी में लगभग 21 करोड़ रुपये की छूट और बिना अनुमति के ट्रांसफर के गंभीर आरोप लगाए गए हैं. मामला सामने आने के बाद तहसीलदार और उप-पंजीयक को निलंबित कर दिया गया है और विपक्ष लगातार हमला बोल रहा है।

राजनीतिक दलों ने उठाए सवाल

मामले पर कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "पार्थ पवार के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए. पुणे में बड़े पैमाने पर जमीन घोटाला हो रहा है." कांग्रेस ने अजित पवार के तत्काल इस्तीफे और एसआईटी जांच की मांग की है. वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं. अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है, जो 7 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी. फडणवीस ने कहा, "शुरुआती तौर पर यह मामला गंभीर है, जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।"

अजित पवार ने अपने बेटे का किया बचाव

मामले के तूल पकड़ने पर अजित पवार ने कहा कि उन्होंने खुद मुख्यमंत्री से जांच की मांग की थी. अजित पवार का कहना है कि न तो पार्थ और न ही कंपनी ने भुगतान किया या कब्जा लिया, इसलिए सौदा अधूरा रह गया और अब रद्द कर दिया गया है. वहीं, समाजसेवी अन्ना हजारे ने बिना नाम लिए कहा, "अगर किसी मंत्री का बेटा ऐसा करता है तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है. इसमें असली दोष मंत्री का ही है।"

अमेरिका के साथ जंग की तैयारी में चीन, रक्त बीज से डोनाल्ड ट्रंप को मात देंगे जिनपिंग, खुफिया रिपोर्ट से हड़कंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दुनिया एक बार फिर हथियारों की होड़ की ओर दौर रही है. एक तरफ अमेरिका ने फिर से परमाणु परीक्षण करने की घोषणा की है तो दूसरी तरह रूस ने परमाणु हथियार दागने वाली दुनिया की सबसे ताकतवर मिसाइल का परीक्षण किया है. अब इस खेल में चीन भी उतर गया है. उसने ऐसे-ऐसे हथियारों का परीक्षण शुरू किया है जो किसी रक्त बीज से कम नहीं हैं. इनके हमले से दुनिया पूरी तरह तबाह हो सकती है. दरअसल, एक खुफिया रिपोर्ट सामने आई है. इसमें दावा किया गया है कि चीन ने एशिया प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका के साथ किसी भी संभावित संघर्ष से निपटने के लिए अपनी तैयारी को रॉकेट की रफ्तार दे दी है. सीएनएन ने सैटेलाइट इमैज और मैप के विश्लेषण के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अपनी सैन्य ताकत को और मजबूत करने के लिए मिसाइल उत्पादन सुविधाओं का तेजी से विस्तार कर रहा है. इसका उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में किसी भी संभावित संघर्ष में अमेरिकी सेना को रोकना है. सीएनएन के विश्लेषण से पता चला है कि चीन की मिसाइल उत्पादन से जुड़ी 136 सुविधाओं में से 60 फीसदी

से अधिक का विस्तार किया जा रहा है. इन सुविधाओं में कारखाने, अनुसंधान केंद्र और परीक्षण केंद्र शामिल हैं, जिनका क्षेत्रफल 2020 की शुरुआत से 2025 के अंत तक 20 लाख वर्ग मीटर से अधिक बढ़ गया है. सैटेलाइट तस्वीरों में इन स्थलों पर नए टावर, बंकर और मिट्टी की दीवारें दिखाई दिए हैं, जो हथियार विकास के अनुरूप हैं।

मिसाइलों की तस्वीरें सामने

कुछ मामलों में मिसाइल के हिस्से भी इन तस्वीरों में स्पष्ट रूप से देखे गए हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का यह कदम ताइवान पर किसी भी संभावित हमले में मिसाइलों की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है. ताइवान एक स्व-शासित द्वीप है, जिसे बीजिंग अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है. पिछले सितंबर में चीन ने द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बीजिंग में आयोजित एक सैन्य परेड में अपनी नई मिसाइलों का प्रदर्शन किया था. इस परेड में परमाणु-सक्षम मिसाइलों में डीएफ-61 इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) को प्रदर्शित किया गया, जिसे मोबाइल लॉन्चिंग प्लेटफॉर्म से दागा जा सकता है।

इसके पूर्ववर्ती मॉडल की रेंज 12,000 किलोमीटर से अधिक थी और यह कई वॉरहेड ले जाने में सक्षम था. इसके अलावा साइलो-आधारित डीएफ-5सी मिसाइल का नवीनतम संस्करण भी प्रदर्शित किया गया, जिसकी रेंज 20,000 किलोमीटर तक होने का अनुमान है. परेड में जेएल-1 हवा से लॉन्च होने वाली लंबी दूरी की मिसाइल और जेएल-3 समुद्र से लॉन्च होने वाली मिसाइल भी दिखाई गई, जो दोनों ही परमाणु-सक्षम हैं. इसके साथ ही पहली बार वाईजे-15, वाईजे-17, वाईजे-19 और वाईजे-20 एंटी-शिप मिसाइलों का प्रदर्शन किया गया, जो सभी लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम हैं. परेड में इनकमिंग एंटी-शिप मिसाइलों को रोकने के लिए बनाई गई एचक्यू-16सी और एचक्यू-10ए मिसाइलें भी प्रदर्शित की गई. इसके अलावा जे-35 स्टील्थ मल्टीरोल फाइटर का विमानवाहक संस्करण भी पहली बार पेश किया गया. विशेषज्ञों का कहना है कि चीन का मिसाइल उत्पादन में यह विस्तार क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति संतुलन को प्रभावित कर सकता है।

भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बना उत्तराखंड, विकास के नाम पर हो रहा विनाशःअखिलेश ने बीजेपी पर बोला हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से जूझते उत्तराखंड को भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बना दिया गया है। नौ नवम्बर को उत्तराखंड राज्य की स्थापना दिवस पर अपने संदेश में उन्होंने पर्वतीय राज्य के लोगों की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी उत्तराखंड वासियों के हितों तथा विकास के लिए प्रतिबद्ध है और वह उनके सुख दुख में हमेशा साथ है। उन्होंने कहा कि 09 नवम्बर 2025 को उत्तराखंड राज्य 25 वर्ष का हो जाएगा। इसके गठन की नींव नेताजी मुलायम सिंह यादव ने डाली थी। जनमत संग्रह कराकर अलग राज्य के रूप में उत्तर प्रदेश के दोनों सदनों में उत्तराखण्ड राज्य के निर्माण का प्रस्ताव पास

कराकर केन्द्र सरकार को भेजा था मगर 25 सालों में उत्तराखंड की जनता को आकांक्षाओं के अनुरूप अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। यादव ने कहा कि पर्यावरण का ख्याल किए बगैर विकास के नाम पर अंधाधुंध जंगल कटान और अवैध खनन से उत्तराखंड भारी वर्षा, बादलों के फटने के अलावा भूस्खलन की समस्याओं से लगातार जूझ रहा है। जनधन की भारी क्षति हो रही है। बेरोजगारी चरम पर है। सीमावर्ती 1796 गांव मानव विहीन हो गए। स्वास्थ्य सेवाएं चरमरा गई है। शिक्षा की दशा बदहाल है। उद्योग धंधों का अभाव है। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि उत्तराखंड को भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बना दिया गया है। प्राकृतिक संसाधनों की लूट मची है। बिना विशेषज्ञों के परामर्श और सघन सर्वेक्षण के लागू परियोजनाएं आपदा का कारण बन रही है। राज्य सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। प्रदेश में विज्ञापनों और बयानों पर ही सरकार चल रही है। यादव ने कहा कि उत्तराखंड में स्थित चारों धाम की यात्रा में बड़ी संख्या में लोग शामिल होते है। इन तीर्थ स्थानों की पवित्रता एवं अस्मिता की लगातार उपेक्षा हो रही है। तीर्थाटन को पर्यटन का नया रंग रूप दिया जा रहा है। उद्योगपतियों को प्रश्रय देकर यहां सुविधाओं के नाम पर कंक्रीट के जंगल उगाए जा रहे है। जनता महंगाई की मार झेल रही है। जनता को सामान्य नागरिक सुविधाएं भी पर्याप्त सुलभ नहीं है। अब नई सोच से राज्य के समग्र विकास की आवश्यकता है।

बेटे का शव देख निकली चीख, चंद मिनटों में मां ने भी तोड़ा दम, जालौन में एक घर से साथ से उठी दो अर्थी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के जालौन के रेढ़र थाना क्षेत्र के बुढ़ावली गांव में एक शख्स की मौत के बाद सदमे से उसकी मां ने भी दम तोड़ दिया. शुक्रवार को एक सैलून संचालक की मौत हो गई थी. बेटे की मौत का सदमा उसकी मां झेल नहीं पाई और सैलून संचालक की मां ने भी दम तोड़ दिया. एक ही घर से मां-बेटे की दो अर्थियां उठने से पूरे गांव में मातम छा गया. गांव बुढ़ावली के रहने वाले हरिप्रकाश याज्ञिक उर्फ छौना, जो माधौगढ़ के मालवीय नगर में अपने बड़े भाई हरिशंकर याज्ञिक के साथ रहते थे. दोनों भाई अलग-अलग सैलून चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे. गुरुवार की दोपहर हरिप्रकाश अपने सैलून में बाल काट रहे थे. तभी अचानक उनके सीने में तेज दर्द उठा. परिजन उन्हें तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधौगढ़ ले गए, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर बताते हुए उरई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया. देर रात हालत बिगड़ने पर उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, लेकिन शुक्रवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

बेटे की मौत के सदमे से मां की मौत

हरिप्रकाश का शव दोपहर में जब बुढ़ावली गांव पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया. शव देखते ही उनकी मां किशोरी देवी बेसुध होकर गिर पड़ीं और कुछ ही देर में उनकी भी मौत हो गई. मां-बेटे की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा. ग्रामीणों का कहना है कि किशोरी देवी अपने बेटे से बहुत ज्यादा प्यार करती थीं. वह बेटे की मौत का सदमा सहन नहीं कर सकीं और उनकी मौत हो गई. इसके बाद घर में चीख-पुकार मच गई. परिवार के सदस्य और रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिजन के मुताबिक हरिप्रकाश अविवाहित थे. उनके पिता मायाराम का निधन करीब पांच साल पहले हो चुका था. अब मां और बेटे दोनों के एक साथ चले जाने से बड़ा भाई हरिशंकर और परिवार के बाकी सदस्य पूरी तरह टूट गए हैं. जानकारी मिलने पर गांव में शोक की लहर दौड़ गई. अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान गांव के हर व्यक्ति की आंखें नम थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलौदी में हुए सड़क हादसे का स्वतः संज्ञान लिया, 10 नवंबर को होगी सुनवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के फलौदी में हुए सड़क हादसे पर स्वतःसंज्ञान लिया है. ये हादसा 2 नवंबर को हुआ था, जब एक टेंपो ट्रैवलर भरतमाला हाईवे पर एक ढाबे के सामने खड़े ट्रक से टकरा गया था. इस दौरान करीब 15 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी. वहीं दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे. अब यह मामला जनहित याचिका (PIL) के रूप में सुप्रीम कोर्ट में दर्ज किया गया है. इस पर 10 नवंबर को जस्टिस जे.के. माहेशवरी और जस्टिस विजय बिश्नोई की पीठ के सामने सुनवाई होगी. फालौदी हादसे पर सुप्रीम कोर्ट की यह पहल सड़क सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर एक बेहद अहम कदम माना जा रहा है।

2 नवंबर को हुआ हादसा

दरअसल 2 नवंबर को टेम्पो जोधपुर से

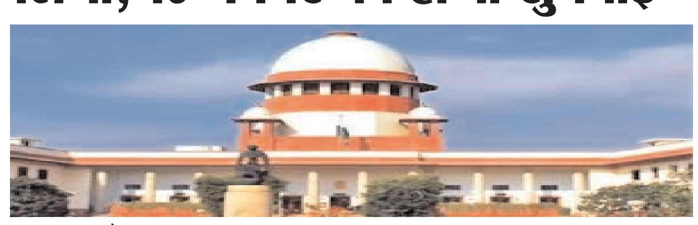

महिलाओं और बच्चों को लेकर बीकानेर तीर्थयात्रा पर गया था.शाम को जोधपुर लौटते समय टेम्पो भारतमाला राजमार्ग पर एक ढाबे के सामने खड़े एक ट्रक से टकरा गया. यह ट्रक निर्माण सामग्री ले जा रहा था. इसलिए टक्कर बहुत ज़ोरदार थी।

कम से कम 15 लोगों की मौत

बताया जा रहा है कि वापसी के दौरान टेंपो ने एक अन्य वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की, इसी दौरान वह निर्माण सामग्री से लदे ट्रक से जा टकराया.इस हादसे में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई थी, वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. टक्कर इतनी भीषण थी कि टेंपो के परखच्चे उड़ गए. इस घटना से हड़कंप मच गया था. चारों तरफ चीख पुकार मच गई थी. इस दुर्घटना के अलावा सुप्रीम कोर्ट ने इस साल कई मुद्दों पर स्वतः संज्ञान लिया है, जिनमें जांच एजेंसियों द्वारा कानूनी सलाह के लिए वकीलों को बुलाना , हिमाचल प्रदेश की पारिस्थितिकी संबंधी चिंताएं , आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं , राजस्थान की जोजरी नदी का प्रदूषण , राजस्थान के पुलिस थानों में कार्यात्मक सीसीटीवी की कमी और "डिजिटल गिरफ्तारी" घोटाले शामिल हैं।

आम आदमी को अदालतों से सस्ता सुलभ न्याय कब मिलेगा?

देश की अदालतों से आम आदमी को इंसाफ मिलना आज भी सपना बना है। जटिल न्यायिक प्रक्रिया अदालत में ऊपर से नीचे तक हर पायदान पर व्याप्त भ्रष्टाचार और मुकदमों के अनुपात में न्यायिक अधिकारियों का अभाव इसका जिम्मेदार है। कुछ लोग तो जीवन भर न्याय पाने की चाहत में दम तोड़ जाते हैं लेकिन अदालत से फैसला नहीं मिलता। समय पर न्याय, न्याय व्यवस्था में जनता के विश्वास की आधारशिला है, जैसा कि इस कहावत में भी स्पष्ट है कि 'न्याय में देरी, न्यायतंत्र से इनकार के समान है।' लंबे समय तक देरी अक्सर लोगों को अदालत जाने से रोकती है। पिछले साल, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस झिझक को 'ब्लैक कोट सिंड्रोम' कहा था। लेकिन अब इसका दायरा चौंकाने वाला है। सर्वोच्च न्यायालय में 86,700 से ज़्यादा मामले, उच्च न्यायालयों में 63.3 लाख से ज़्यादा मामले और ज़िला व अधीनस्थ न्यायालयों में 4.6 करोड़ मामले लंबित हैं। कुल मिलाकर, भारत में लंबित मामलों की कुल संख्या 5 करोड़ से ज़्यादा है।

हाल ही में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा को बताया था कि भारत भर की विभिन्न निचली अदालतों में 4.6 करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं। यह बेहद शर्मनाक स्थिति है जबकि मौजूदा सरकार ने देश भर में समयबद्ध न्याय देने का वादा किया था लेकिन स्थिति में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है वरन लंबित मामलों की तादाद जस की तस बनी है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम सांसद कनिमोझी एनवीएन सोमू द्वारा उठाए गए एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में 86,723 मामले लंबित हैं, जबकि भारत भर के विभिन्न उच्च न्यायालयों में 63,29,222 मामले लंबित हैं।

''उच्च न्यायालयों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30 जून 2025 तक 21 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में 865 फास्ट ट्रैक कोर्ट कार्यरत हैं।''फास्ट ट्रैक कोर्ट ने अब तक 76,57,175 मामलों का निपटारा किया है, जबकि 14,38,198 मामले अभी भी उनके पास लंबित हैं। ग्राम न्यायालय (जीएन) पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2020 से जून 2025 तक की अवधि में ग्राम न्यायालयों में 5,39,200 मामले दर्ज किए गए। इसी अवधि में ग्राम न्यायालयों ने 4,11,071 मामलों का निपटारा किया। 30 जून 2025 तक, ग्राम न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 1,28,129 है।'

मोटे तौर पर भारत की अदालतों में 6000 से अधिक जजों की कमी है जिनमें से 5000 जजों की कमी निचली अदालतों में है। 'डिपार्टमेंट आफ जस्टिस' की 1 जुलाई की रिपोर्ट के अनुसार देश के हाईकोर्टों में जजों की स्वीकृत संख्या 1122 के मुकाबले में वहां 751 पदों पर ही नियुक्तियां हुई हैं तथा 371 जजों के पद खाली हैं। देश की जनसंख्या 1.4 अरब है और जजों की कुल संख्या सिर्फ 21,285 है। देश की अदालतों में इस समय 4 करोड़ 66 लाख 24 हजार केस लम्बित हैं। इनमें से 3 करोड़ 55 लाख 67 हजार क्रिमिनल तथा 1 करोड़ 10 लाख 57 हजार सिविल केस हैं।

2025 की 'इंडिया जस्टिस रिपोर्ट' के अनुसार भारत में प्रति 10 लाख लोगों पर सिर्फ 15 जज हैं जबकि 1987 की 'कानून आयोग' की सिफारिश के अनुसार कम से कम 50 जज होने चाहिए। इसी कारण अदालतों में कार्यरत जजों पर मुकदमों का भारी बोझ पड़ा हुआ है। इसी रिपोर्ट में यह रहस्योद्घाटन भी किया गया है कि देश की जिला अदालतों में एक जज के पास औसतन 2,200 मुकदमे हैं, वहीं इलाहाबाद और मध्य प्रदेश के हाईकोर्टों में प्रत्येक जज के पास

15,000 तक केस हैं। विधि और संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने 24 जुलाई को राज्यसभा में बताया कि हाईकोर्ट में खाली पड़े 371 रिक्तियों में से 178 पदों के लिए नियुक्ति प्रस्ताव सरकार और हाईकोर्ट की कोलेजियम के बीच विभिन्न चरणों पर विचाराधीन हैं तथा 193 पदों के लिए अभी तक संबंधित हाईकोर्टों की कोलेजियम से सिफारिशें प्राप्त नहीं हुई हैं। ऊपर से लेकर नीचे तक देश की अदालतों में जजों की कमी का अदालतों में चल रहे मुकदमों पर पड़ रहे दुष्प्रभाव का अनुमान पिछले 4 महीनों के उदाहरणों से बखूबी लगाया जा सकता है। 20 मार्च, 2025 को राजस्थान में लगभग 40 वर्ष पूर्व हुए एक नाबालिग लड़की के साथ रेप के मामले में सुप्रीमकोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट द्वारा दोषी को बरी करने के फैसले को पलटते हुए उसे निचली अदालत द्वारा दी गई 7 वर्ष कैद की सजा को बहाल करने के साथ ही 4 सप्ताह में सरेंडर करने का आदेश दिया। जजों ने कहा कि बच्ची की चुप्पी का मतलब यह नहीं लगाया जा सकता कि उसके साथ अपराध हुआ ही नहीं। यह बहुत दुख की बात है कि इस नाबालिग लड़की और उसके परिवार को अपने जीवन के इस भयानक अध्याय को बंद करने के इंतजार में लगभग 40 वर्ष बिताने पड़े।* 30 जून, 2025 को रांची (झारखंड) में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के विशेष न्यायाधीश योगेश कुमार सिंह की अदालत ने वर्ष 2005 में 2750 रुपए रिश्वत लेने के 20 वर्ष पुराने मामले में दोषी 'जयराम चौधरी' को 5 वर्ष कैद और 6000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना अदा न करने पर उसे 2 महीनों की और सजा काटनी होगी* 21 जुलाई, 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 19 वर्ष पुराने वर्ष 2006 के मुम्बई रेल बम धमाकों के सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। इन धमाकों में 187 लोग मारे गए तथा 800 से अधिक लोग घायल हुए थे। इस फैसले पर 24 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी। 21 जुलाई, 2025 को ही हरदोई (उत्तर प्रदेश) में 16 दिसम्बर, 2014 को हुए हत्याकांड के 11 वर्ष पुराने मामले में 2 भाइयों को दोषी करार देते हुए जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोनों को उम्र कैद की सजा सुनाने के अलावा 20-20 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया।

जिला न्यायालयों में दीवानी मामलों में सबसे अधिक देरी होती है, जिससे मुकदमों के भार और क्षमता के बीच भारी अंतर उजागर होता है। इन हालातों में जरूरी है कि अदालतों में लटकती आ रही जजों की कमी जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि पीड़ितों को समय रहते न्याय मिल सके और वे न्याय के इंतजार में ही इस संसार से ही न चले जाएं। ऐसे हालात में आम आदमी में कानून और अदालत के प्रति विश्वास कम हो रहा है।

मनोज कुमार अग्रवाल

बिहार में भारी मतदान,महिला वोटर सुनिश्चित करेगी सरकार का भविष्य

बिहार में पहले चरण के मतदान में मतदाताओं ने बम्पर वोटिंग किया।कई वर्षों के बाद बिहार में64.66मतदान हुआ।18 जिलों में 121विधानसभा सीटो पर1314 प्रत्याशियो के भाग्य ईवीएम में बंद हो गए। पहले चरण में 121 आवंटित विधानसभा क्षेत्रों तथा 18 जिलों में मतदान हुआ। लगभग 64.66 % मतदान दर्ज हुआ है। यह राज्य के इतिहास में सबसे अधिक दर है।पिछली विधानसभा चुनाव में इसी चरण में लगभग 57 % के कम मतदान हुआ था। अधिकांश क्षेत्रों में 2020 से तुलना में 8 % या अधिक की बढ़त दर्ज की गई।भारी मतदान के बाद किसी भी दल की जीत हार का फैसला या निष्कर्ष नही निकाला जा सकता है।बिहार चुनाव में सभी दलों के नेताओ,कार्यकर्ताओ और स्टार प्रचारकों ने कड़ी मेहनत कर प्रचार में ऐड़ी छोटी का जोर लगा दिया।लेकिन मतदान में बढ़ते के दो पहलू होते है।उसके पीछे अनेक सम्भावनाओ को नजर अंदाज नही कर सकते है।

बिहार चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। इस तरह स्पष्ट है कि इस बार मतदान तीसरे-दल का उत्साह या सक्रिय भागीदारी काफी बढ़ी हुई थी।लेकिन उच्च मतदान के बदलाव हार जीत नक्की नही की जाती है।उच्च मतदान दर अक्सर संकेत देती है कि मतदाता अधिक सक्रिय है, लेकिन इसका अर्थ अनिवार्य रूप से सत्ता-विरोधी लहर नहीं होता। इस बढ़े हुई मतदान दर ने यह सवाल उँचा किया है कि क्या यह संकेत है कि वर्तमान सरकार तथा गठबंधन एनडीए को समर्थन मिला है या फिर जनता बदलाव चाहती है। इसी तरह गुजरात चुनाव में भी देखने को मिला था।लेकिन बढ़त मतदान से गुजरात सतारूढ़ की विजय हुई और करीब 155 सीटो पर जीत प्राप्त की गई थी।

2020 में मतदान दर बढ़ा था लेकिन सत्ता-विरोधी लहर को पूरी तरह नहीं बदल पाई थी। यही हाल इस बार भी हो सकता है। केवल बढ़ी मतदान दर से यह तय नहीं कि कौन आगे होगा, किन्तु यह संकेत देती है कि मतदाता जागरूक हैं।मतदाताओ को प्रलोभन देकर खरीदा नही जा सकता है।वोटर अपने अच्छे बुरे का निर्णय स्वत: करने में सक्षम है।देश के हित मे मतदान करने वाले विरले ही होते है।बिहार में पहले चरण का उन्माद शांत जरुर हुआ है लेकिन अभी दूसरे चरण को होने वाले चुनावों पर राजनीतिक दलों की नजरें गढ़ी हुई है।क्योंकि पहले चरण में इतनी भागीदारी ने राजनीतिक दलों को सतर्क कर दिया है। उन्हें समझना होगा कि मतदान केवल पंजीकरण नहीं, बल्कि जनभावना का प्रतिबिंब भी होता है।मतदाताओ के मन मे राज्य और क्षेत्र के लिए किसीबिंदु पर मंथन चलता रहता है।और प्रचार के दौरान मतदाता अपनी चेहती पार्टी और विधायक को ध्यान में रखकर वोट करते है।उन्हें यह भी मालूम है कि किसी अयोग्य प्रत्याशी को मतदान किया गया तो समय और वोट दोनो नष्ट करने जैसा होगा।कौन-कौन से दल एवं गठबंधन इस बढ़त से लाभ उठा सकते हैं। एनडीए के पक्ष में यह उक्ति है कि 'बढ़े मतदान का अर्थ है उनका जनसमर्थन जो पहले से था। उदाहरण के लिए, उनकी ओर से कहा गया है कि बढ़ी भागीदारी ने सरकार-सुधार कार्यक्रमों को स्वीकारा दी है।यदि एनडीए सफल होती है तो यह पुष्टि होगी कि उनका विकास-विरोधी एजेंडा काम कर गया है, और मतदाताओं ने स्थिरता को महत्व दिया है।

महागठबंधन का दृष्टिकोण यह है कि यह मतदान दर बदलाव की चाहत दिखाती है '। उन्होंने यह दावा किया है कि मतदान बढ़ा-भागीदारी ने पुरानी व्यवस्थाओं से असंतोष को उजागर कर दिया है।लेकिन सभी कयासों के बाद पहले चरण के मतदान के पूर्व राहुल का चुनाव आयोग पर जूठा आरोप मतदाताओ के मन मे कांग्रेस के प्रति ओर अधिक वैमनस्य पैदा कर दिया है।बढ़ते मतदान की वजह यह है कि सतारूढ़ भाजपा को ही हम वापस लाने के लिए सहमत है।महागठबंधन के घोषणा पत्र वैसे ही जनता ने कागज का पुलिंदा समझकर नकार दिया है।रही कसर राहुल के जूठे मुद्दे ने पूरी कर दी। इस बढ़ी भागीदारी को अपने पक्ष में मोड़ने में सफल रहे, तो यह संकेत होगा कि जनता ने पूरा समर्थन एनडीए के पक्ष में दिया है। यदि एनडीए को इस पहले चरण में मजबूत प्रदर्शन दिखे, तो उनका मनोबल बड़ा होगा और वे पूरा राज्य में उसी लय को बनाए रखने का अवसर पायेंगे। इस तरह उनकी सरकार बनने की सम्भावना बढ़ सकती है।

लेकिन यदि महागठबंधन-संघ ने बढ़ी मतदान दर को सक्रिय रूप से भू-भागों में लागू किया हो, तो वे एनडीए के लिए चुनौती खड़ी कर सकते हैं। फिर भी जनाधार ऐसे कोई संकेत नही दे रहे है।मतदाता जाग चुका है।पहला चरण अभी सिर्फ संकेत है, अंतिम फैसला दूसरे चरण तथा मतगणना के बाद स्पष्ट होगा। लेकिन यदि मतदान बढ़ा है, अपराध-प्रभाव कम हुआ है, तो यह सामान्य तौर पर मौजूदा सरकार के लिए अलार्म की घंटी हो सकती है।

इसलिए, पूर्वानुमान यही है कि एनडीए के लिए सम्भावना दिख रही है, क्योंकि उन्होंने पहले चरण में बेहतर संगठन और त्वरित प्रतिक्रिया दिखाई है, लेकिन महागठबंधन को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता है। महागठंबधन के लिए जूठे आरोप और विकास को नजरअंदाज करना ही बड़ा कमजोर पहलू होगा। प्रथम चरण के 121 सीटों का परिणाम पूरे 243 सीटों पर लागू नहीं होगा ।क्योकि दूसरे चरण के 122 सीटें भी अहम है। अनिवार्य रूप से यह बदलाव नहीं, यह जागरूक जनता का बेहतर मतदान सुविधा' 'उत्तेजित अभियान' आदि का संकेत भी हो सकती है। मतगणना तक प्रायोगिक आंकड़ों व उपजी बहस को अंतिम परिणाम नहीं समझना चाहिए।अक्सर मतदान पैटर्न व मत-बदलाव बीच का फासला जटिल होता है। पहले चरण में 64-65 % के आसपास मतदान दर ने बिहार के चुनावी परिदृश्य को गतिशील बना दिया है। यह संकेत है कि मतदाता इस बार अधिक सक्रिय हैं, उनकी भागीदारी बढ़ी है। इस बढ़त का अर्थ यह हो सकता है कि:सरकार-विपक्ष दोनों के लिए जागरूक मतदाता एक नया तथ्य बन कर उभरे हैं।यदि नितीश कुमार-नीतियों या एनडीए के काम-काज को जनता ने स्वीकार किया है, तो एनडीए की सरकार बनने की सम्भावना उज्जवल है। इसके विपरीत, यदि जनता बदलाव चाहती है और महागठबंधन ने मैदान तैयार किया है, तो वहाँ से बदलाव की सम्भावना है। लेकिन मतदाताओ के रुझान के अनुसार ऐसा कुछ नही दिखाई दे रहा है कि महागठबंधन के लिए शुभ संकेत है।अभी-अभी बढ़ता मतदान स्थायी परिणाम नहीं तय करता है। दूसरे चरण का मतदान, मतगणना एवं क्षेत्र-विशिष्ट चलन अंतिम तस्वीर बनाएँगे।अतः, इस पहले चरण की बढ़ी भागीदारी एक महत्वपूर्ण संकेत है, लेकिन यह अलग-अलग क्षेत्रों में किस दिशा में जा रही है यह अब अगले कुछ दिनों में स्पष्ट होगा।हमे इंतज़ार करना होगा।

कांतिलाल मांडोत

समय के यथार्थ संयोजन से जीवन समर्थ, सशक्त

बेंजामिन फ्रैंकलिन ने कहा था- 'Lost time is never found again'- बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। समय वह अनमोल संपदा जो न किसी के लिए रुकती न किसी के लिए लौटती यह निरंतर गतिशील अविराम, अनश्वर और सर्वव्यापी। जीवन की सफलता, सार्थकता और समृद्धि का आधार यदि किसी एक तत्व को कहा जाए तो निस्संदेह वह 'समय का सदुपयोग' है। । यह कथन न केवल यथार्थ का उद्घाटन करता है बल्कि जीवन के अनुशासन की दिशा भी दिखाता है। धन, वैभव, प्रतिष्ठा ये सब खोकर पुनः अर्जित किए जा सकते हैं, किंतु समय का एक क्षण खो जाने पर वह सदा के लिए इतिहास बन जाता है। भारतीय संतों ने भी यही चेताया 'काल करे सो आज कर, आज करे सो अब, पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब। ' यह दोहा समय के अनमोल क्षणों की पुकार है, जो मनुष्य को आलस्य और विलंब की दलदल से बाहर निकालने का प्रयास करता है। प्रसिद्ध लेखक मेसन ने भी कहा है- 'सोने के कण की तरह समय का हर क्षण मूल्यवान है।' सच ही तो है, स्टेशन पर खड़ी रेलगाड़ी अपने यात्रियों की प्रतीक्षा नहीं करती; देर से पहुंचने वाला व्यक्ति केवल हाथ मलता रह जाता है। प्रकृति स्वयं समय की शिक्षिका है,यदि वर्षा ऋतु में वर्षा समय पर न हो तो फसलें सूख जाती हैं; यदि सूरज समय पर न उगे तो जीवन का क्रम बाधित हो जाता है। तुलसीदास ने कहा, 'का वर्षा जब कृषि सुखावे, भल समय जब बाढ़े उपजावे। 'यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि समय की अनदेखी विनाश का कारण बन सकती है। इतिहास गवाह है कि जिन्होंने समय के साथ अनुशासन और श्रम को अपना आदर्श बनाया, वही युगपुरुष बने। चाहे महात्मा गांधी हों, आइंस्टीन हों या स्टीव जॉब्स इन सबने समय का सदुपयोग कर अपने विचारों से मानवता को नई दिशा दी। इंग्लैंड की अनुशासनप्रियता और समयनिष्ठा ने उसे ग्रेट ब्रिटेन का दर्जा दिलाया, जिसने कभी कहा था- 'The sun never sets on the British Empire.' हालांकि उनका अनुशासन कई बार दमनकारी भी रहा, परंतु यह भी सत्य है कि समय के प्रति उनकी सजगता ने उन्हें शक्ति और समृद्धि दी।

भारत ने भी जब-जब समय के मूल्य को पहचाना, तब-तब उसने विश्व में अपना लोहा मनवाया। हमारे वैज्ञानिकों - डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, सी.वी. रमन, और होमी भाभा ने समय की पाबंदी और अनुशासन से अनुसंधान के शिखर को छुआ। उन्होंने दिखाया कि कठोर परिश्रम और समय का प्रबंधन साधारण मनुष्य को भी असाधारण बना सकता है। समय और अनुशासन एक-दूसरे के पर्याय हैं। अनुशासन के बिना समय की उपयोगिता संभव नहीं, और समय के बिना अनुशासन का कोई अर्थ नहीं। जीवन के जिस कार्य को हम सबसे कठिन मानते हैं, उसे सबसे पहले करना ही सफलता की कुंजी है। जैसा कि नेपोलियन बोनापार्ट ने कहा था– 'Take time to deliberate, but when the time for action comes, stop thinking and go in. 'विद्यार्थी जीवन में समय का महत्व सर्वोपरि है। समय का नियोजन और आत्मसंयम विद्यार्थी को साधारण से असाधारण बना देता है। जो विद्यार्थी समय के मूल्य को समझते हुए अध्ययन करते हैं, वे न केवल परीक्षाओं में सफल होते हैं बल्कि जीवन में भी ऊँचाइयाँ छूते हैं। देर से उठने वाले और विलंब से कार्य करने वाले हमेशा परिस्थितियों से संघर्ष करते रहते हैं, जबकि समयनिष्ठ व्यक्ति आत्मविश्वास से भरा और ऊर्जावान रहता है।

युवा वर्ग को चाहिए कि वह शरीर और मन दोनों का अनुशासन बनाए। समय पर उठना, भोजन करना, व्यायाम करना और ब्रह्ममुहूर्त में अध्ययन करना आत्मविकास की पहली सीढ़ी है। देर से उठने वाले व्यक्ति के हर कार्य में विलंब होता है, जिससे अवसर हाथ से निकल जाते हैं। जैसे समुद्र की लहरें लौटकर नहीं आतीं, वैसे ही

समय भी एक बार गया तो फिर नहीं लौटता। पेरिक्लेस ने कहा था– 'Time is the wisest counselor of all.' वास्तव में समय सबसे बड़ा शिक्षक है, क्योंकि यह किसी को बख्शता नहीं। जो इसे समझ लेता है, वह जीवन के हर क्षेत्र में विजयी होता है। समय के यथार्थ संयोजन से जीवन समर्थ, सशक्त और सार्थक बनता है। व्यक्ति का व्यक्तित्व तभी निखरता है जब वह समय के साथ चलना सीखता है, न कि उसके विपरीत। यही समय का सत्य है- यह न किसी राजा के लिए रुकता है, न भिखारी के लिए। यह केवल उनके साथ चलता है जो उसके साथ चलने की कला जानते हैं। अतः यह आवश्यक है कि हम हर क्षण को सार्थक बनाएं, क्योंकि यही क्षण आने वाले कल की दिशा तय करते हैं। समय को साध लीजिए, वही जीवन को समर्थ बना देगा यही मानव जीवन की सर्वोच्च साधना है।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

मुद्रा का नया सवेरा: विश्वास से परे, गणित के भरोसे

[मुद्रा नहीं, यह मानव सभ्यता की नई भाषा है]

[कागज़ से कोड तक: मानवता की नई मुद्रा यात्रा]

103,600- वह संख्या जो दुनिया की मुद्रा-व्यवस्था की नींव हिला रही है। .103,600- यह सिर्फ एक अंक नहीं, यह वह लहर है जो पुरानी व्यवस्था की नींव हिला रही है, और हर केंद्रीय बैंक को सोचने पर मजबूर कर रही है- क्या अब सच में पैसा आज़ाद हो गया है? 1971 के बाद पहली बार इतिहास दोहराया नहीं, लिखा जा रहा है। डॉलर की पकड़ ढीली पड़ रही है, और उसकी जगह ले रहा है एक नया विश्वास- बिटकॉइन। यह कोई नोट नहीं, कोई सरकार नहीं; यह एक कोड है, एक विचार है, जो कहता है – 'मुद्रा अब सबकी होगी, किसी एक की नहीं।' .103,600 किसी कीमत का नहीं, बदलाव का प्रतीक है- उस क्षण का जब 2.1 ट्रिलियन डॉलर भी छोटा लगने लगता है, क्योंकि यह नई प्रणाली हर सेकंड 740 क्विंटिलियन हैश की गर्जना के साथ दुनिया को नए युग में ले जा रही है।

सोना- कभी 'संपत्ति की आत्मा' कहलाता था। उसे धरती की गहराई से निकालने में सदियाँ लगती थीं, और फिर उसे सँभालने में एक उम्र बीत जाती थी। लेकिन बिटकॉइन उसे 'माइन' करने में बस दस मिनट लगते हैं, और सँभालने में – बारह-चौबीस शब्दों का एक सीड फ्रेज़, जो सम्पूर्ण संपत्ति का द्वार खोल देता है। सोने को चाहिए तिजोरियाँ, चौकसी, और भरोसा; बिटकॉइन को बस एक पासफ्रेज़ और आत्मविश्वास। सोने की कीमत तय होती है कमरों में बैठे बैंकरों से, जबकि बिटकॉइन की कीमत तय करते हैं 1.75 करोड़ निष्क्रिय वॉलेट्स – जो दस साल से एक इंच भी नहीं हिले। सोना अब भी सोच में है कि वह हार कहाँ गया- शायद वहीं, जहाँ कोड ने मिट्टी को मात दी, और डिजिटल युग ने संपत्ति को नया अर्थ दिया।

तेल का सौदा अभी भी डॉलर में होता है, पर बिटकॉइन का चौबीस-घंटा वॉल्यूम सोने के सालाना व्यापार को पीछे छोड़ चुका है। सोलह साल, सिर्फ दो छोटे डाउनटाइम-यही है बिटकॉइन नेटवर्क की स्थिरता, जो 99.99% अपटाइम के साथ दुनिया का सबसे भरोसेमंद मौद्रिक ढांचा है। हर दस मिनट में एक नया ब्लॉक जन्म लेता है - नब्बे टेराबाइट की गणनाओं को एक मेगाबाइट में समेटकर। यह कोई साधारण प्रक्रिया नहीं; यह ब्लैक होल से भी ज़्यादा गहरा चमत्कार है- क्योंकि यह पदार्थ नहीं, मूल्य को केंद्रित करता है।

अमेरिकी ट्रेज़री का 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड 4.28% पर उतर आया, क्योंकि ब्लैकरॉक का IBIT (iShares Bitcoin Trust) अब 50 अरब डॉलर से ऊपर पहुँच चुका है। दुनिया की सबसे बड़ी परिसंपत्ति प्रबंधक कंपनी ने वह कदम उठाया, जो अमेरिकी सरकार उठाने से हिचक रही थी- उसने बिटकॉइन को 'डिजिटल रिज़र्व' का दर्जा दे दिया। अब फेड नेतृत्व नहीं कर रहा; वह बस पीछा कर रहा है। और सबसे असहज सच्चाई यह है- फेड यह जानता भी है। अगले आठ सौ पचास दिनों में फिर एक क्षण आएगा-है। यह दुनिया का एकमात्र मौद्रिक कैलेंडर है, जिसे न कोई राष्ट्रपति बदल सकता है, न अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), न संयुक्त राष्ट्र। क्योंकि यह कैलेंडर सत्ता से नहीं, कोड से चलता है- उस कोड से जो 2खद्द8 कुंजियों से सुरक्षित है, और जिन्हें तोड़ने में पूरा ब्रह्मांड भी अपनी आयु हार जाए। यह वह व्यवस्था है जहाँ भरोसा किसी व्यक्ति या संस्था पर नहीं, एल्गोरिद्म की निष्पक्षता पर टिका है- एक ऐसी पारदर्शिता, जो अब तक किसी मुद्रा ने देखी ही नहीं।

आईएमएफ ने अपने नवीनतम मैनुअल में बिटकॉइन को 'नॉन-प्रोड्यूस्ड एसेट' का दर्जा दे दिया है। यह इतिहास की सबसे खामोश, पर सबसे गूंजदार घोषणा है। अब हर केंद्रीय बैंक की बैलेंस शीट में एक नया कॉलम जुड़ने को तैयार ह- 'कॉलम ज़ेड'। वह कॉलम भले अभी खाली हो, पर उसकी छाया हर रात और गहरी होती जा रही है। यह वही छाया है जो आने वाले समय की सुबह का संकेत दे रही है- एक ऐसा युग जहाँ विश्वास कागज़ से नहीं, कोड से मापा जाएगा।

फिलहाल वैश्विक इक्विटी का सिर्फ 1.8% हिस्सा बिटकॉइन में है- एक आँकड़ा जो छोटा दिखता है, पर बदलाव की आंधी अपने भीतर छिपाए बैठा है। गणना कहती है- अगले 18 महीनों में यह हिस्सा 5% को छू लेगा। और उसी क्षण, जी-एसआईबी (वैश्विक प्रणालीगत महत्त्वपूर्ण बैंक) बैंकिंग नियमों में एक नया अध्याय खुलेगा- 'डिजिटल रिज़र्व रेशियो' के नाम से। अब मौद्रिक नीति का केंद्र बदल चुका है; फेड के हर 25 बेसिस पॉइंट की दर-कटौती के 11 दिन बाद, बिटकॉइन औसतन 7.5% ऊपर जाता है। यह कोई संयोग नहीं- यह पैटर्न है, जो पिछले 34 महीनों से 90% की स्थिरता के साथ कायम है।

बिटकॉइन की तरलता अब सोने के दैनिक व्यापार से ढाई गुना हो चुकी है। सोना, जो कभी संपत्ति का प्रतीक था, अब बस आभूषण भर रह गया ह- चमक तो वही है, पर अर्थ खो चुका है। हर घंटे जितना बिटकॉइन ट्रेड होता है, उतना सोना पूरे साल में भी नहीं हिलता। अब असली तरलता धातु में नहीं, बल्कि गणित के भरोसे में है- उस भरोसे में जो न गलता है, न झूठ बोलता है। गणित कहता है- 1.318 फिबोनाची अनुपात सक्रिय है, और अगला लक्ष्य .138,000 पर टिका है। गणित न आशा करता है, न डरता ह- वह बस सच्चाई दिखाता है। -पिछले 90 दिनों में 28 लाख नए बिटकॉइन वॉलेट बने हैं- यानी 28 लाख नई आस्थाएँ, नए विश्वास, और बिना झंडे वाले गणराज्य में जुड़े 28 लाख नए नागरिक।

यह आँकड़ा भारत के कुल डीमैट खातों से 38% अधिक है- और हर नया वॉलेट, इस डिजिटल युग के संविधान पर एक लोकतांत्रिक हस्ताक्षर है। अब बिटकॉइन ट्रेड कर रहा है जोखिम-मुक्त दर से 1100 आधार अंक ऊपर- यानी 11% प्रतिफल, बिना किसी सरकारी गारंटी के।

.103,600 कोई अंत नहीं - यह वह सीमा-रेखा है जहाँ से मानव सभ्यता की मुद्रा-यात्रा एक नए युग में कदम रखती है। यह वह मोड़ है जहाँ धन की परिभाषा बदल रही है – न पासपोर्ट की ज़रूरत, न वीज़ा की, न किसी मध्यस्थ की अनुमति। अब पूरी पृथ्वी एक ही भाषा बोलेगी – मुद्रा की नहीं, गणित की; विश्वास की नहीं, सत्य की। सोने के युग ने साम्राज्य बनाए, डॉलर के युग ने प्रभुत्व रचा- और अब शुरू हो रहा है बिटकॉइन का युग, जो स्वतंत्रता को नया अर्थ, और मानवता को नया आर्थिक संविधान देने जा रहा है।

प्रो. आरके जैन

सुरों की साधिका सुलक्षणा पंडित नहीं रहीं

6 नवंबर 2025 को हिंदी फिल्म और संगीत जगत की सुरमयी आवाज़ सदा के लिए खामोश हो गई। प्रसिद्ध गायिका और अभिनेत्री सुलक्षणा पंडित का मुंबई के नानावटी अस्पताल में निधन हो गया। वे 71 वर्ष की थीं और पिछले कई वर्षों से अस्वस्थ थीं। उनके जाने से फिल्म इंडस्ट्री के एक स्वर्णिम युग की स्मृतियाँ फिर से ताज़ा हो उठीं कृ वो दौरए जब गीतों में आत्मा होती थी और चेहरों पर अभिनय नहींए भावनाएँ बोलती थीं।

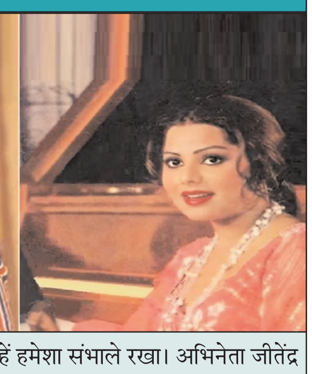

सुलक्षणा पंडित का जन्म 12 जुलाई 1954 को छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में हुआ था। उनका परिवार भारतीय संगीत परंपरा का एक सम्मानित स्तंभ रहा। वे महान शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की भतीजी थींए जबकि उनके भाई जतिनदृललित ने 90 के दशक में हिंदी सिनेमा को अनगिनत अमर धुनें दीं। उनकी बहन विजयता पंडित भी फिल्म जगत से जुड़ी रहीं। इस संगीतपूर्ण वातावरण में पली.बढ़ी सुलक्षणा के भीतर कला का बीज बचपन से ही गहराई तक बोया गया था। संगीत उनके लिए केवल अभिव्यक्ति नहींए बल्कि एक साधना थी। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1975 में ष्उलझनष् फिल्म से की थीए जिसमें उनके साथ संजीव कुमार थे। यह जोड़ी पर्दे पर बहुत पसंद की गई। इसके बाद उन्होंने ष्संकोचष्ए ष्हेरा फेरीष्ए ष्अपनापनष्ए ष्खानदानष्ए ष्चेहरे पे चेहराष् और ष्धर्म कांटाष् जैसी फिल्मों में अभिनय किया। उनका अभिनय सहजए कोमल और भावनाओं से भरा हुआ था। वे किसी चरित्र को ओढ़ती नहीं थींए बल्कि जीती थीं। उनकी आँखों में सादगीए आवाज़ में अपनापन और मुस्कान में एक अनकही कहानी झलकती थी।

पर अभिनय से पहले वे एक गायिका थीं। 1967 में बतौर बाल गायिका उन्होंने फिल्म ष्सात समुंदर पारष् में लता मंगेशकर के साथ गाना गाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। 1975 में आई फिल्म ष्संकल्पष् का उनका गीत श्तू ही सागर हैए तू ही किनाराश् आज भी सुनने वालों को भीतर तक भिगो देता है। इस गीत के लिए उन्हें फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायिका पुरस्कार मिला। उन्होंने किशोर कुमारए मोहम्मद रफ़ीए हेमंत कुमारए महेंद्र कपूरए येसुदास और लता मंगेशकर जैसे महान कलाकारों के साथ काम किया। उनकी गायकी में शास्त्रीयता की गहराई और भावनाओं की मिठास का दुर्लभ संगम था। 1980 में उनका ग़ज़ल एल्बम ष्जज़्बातष् आयाए जिसने उन्हें एक नए रूप में सामने लाया। उस दौर में जब ग़ज़ल सुनना एक नफ़ासत माना जाता थाए सुलक्षणा ने अपनी कोमल आवाज़ से प्रेमए विरह और एकाकीपन को नया अर्थ दिया। उनके गीतों में स्त्री की संवेदना थी कृ वह स्त्री जो प्रेम करती हैए टूटती हैए पर भीतर कहीं एक अदम्य गरिमा बनाए रखती है।

लेकिन सुलक्षणा का जीवन केवल गीतों की मिठास से नहीं बना था। उनके जीवन में गहरी चुप्पियाँ भी थीं। कहा जाता है कि वे अभिनेता संजीव कुमार से गहराई से प्रेम करती थींए पर यह प्रेम अधूरा ही रह गया। संजीव कुमार ने विवाह नहीं कियाए और 6 नवंबर 1985 को उनका निधन हो गया। यह एक अजीब संयोग है कि ठीक चालीस साल बादए उसी तारीख कोए सुलक्षणा भी इस दुनिया से चली गईं कृ जैसे उनकी जीवन.धुन ने अंततः उसी तान पर विराम लियाए जहाँ से वह कभी टूटी थी।

संजीव के जाने के बाद सुलक्षणा ने जीवनभर विवाह नहीं किया। उन्होंने खुद को धीरे.धीरे दुनिया से अलग कर लिया। बीते लगभग सोलह वर्षों से वे गंभीर रूप से बीमार थीं और अधिकतर समय बिस्तर पर रहीं। आर्थिक तंगी के दिन भी आएए पर उनके परिवार कृ विशेषकर भाई जतिन.ललित और बहन विजयता कृ ने उन्हें हमेशा संभाले रखा। अभिनेता जीतेंद्र ने भी एक बार उनकी मदद की थी। पर सुलक्षणा की दुनिया अब संगीत और सिनेमा से बहुत दूर जा चुकी थी।

उनके जीवन में जितना वैभव थाए उतना ही विरह भी। वे अपने गीतों की तरह ही थीं कृ मीठीए भावुक और गहरी। वे उस पीढ़ी की प्रतिनिधि थींए जिसने कला को करियर नहींए साधना माना। उन्होंने अभिनय और गायन दोनों में अपनी छाप छोड़ीए और आज भी उनका नाम सम्मान से लिया जाता है। उनका जीवन यह सिखाता है कि प्रतिभा के साथ संवेदना होए तो कलाकार समय से परे हो जाता है।

6 नवंबर की वह रात जब उनके निधन की खबर आईए तो सोशल मीडिया पर कलाकारोंए संगीतकारों और प्रशंसकों ने उन्हें याद किया। हर श्रद्धांजलि के साथ एक धुन थीए जो उनकी आवाज़ की तरह ही कोमल और स्मरणीय थी। उनके भाई ललित पंडित ने बताया कि उन्हें हार्ट अटैक आया था।

अगले दिन मुंबई में उनका अंतिम संस्कार किया गया। सुलक्षणा पंडित का जीवन एक अधूरी कविता की तरह था कृ जिसमें प्रेम थाए वियोग थाए पर साथ ही था संगीत का अटूट विश्वास। वे अपने पीछे गीतोंए फिल्मोंए यादों और उस मुस्कान को छोड़ गईं जो अब भी उनके सुरों में गूंजती है। शायद यही उनकी अमरता है कृ कि जब भी कोई श्तू ही सागर हैए तू ही किनाराश् सुनता हैए उसके भीतर कुछ देर के लिए दुनिया ठहर जाती हैए और उस ठहराव में सुलक्षणा पंडित फिर से जीवित हो उठती हैं।

महेन्द्र तिवारी

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**-उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च में कैंसर जागरूकता दिवस का हुआ आयोजन

अटारिया- आर्यकुल कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च सीतापुर में कैंसर जागरूकता दिवस बड़े उत्साह और गंभीरता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य, सभी संकाय सदस्य एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद कॉलेज की प्राचार्या महोदया ने अपने उद्बोधन में कहा 'कैंसर जैसी बीमारी से बचाव केवल जागरूकता और समय पर जांच से ही संभव है' उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अनुरोध किया कि वे इस संदेश को समाज के हर व्यक्ति तक पहुँचाएँ। कार्यक्रम में छात्रों द्वारा पोस्टर प्रेजेंटेशन, भाषण एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, अंत में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ. इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्रबन्ध निदेशक डॉ. सशक्त सिंह, संकाय प्राचार्या डॉ. स्तुति वर्मा, डीन एकेडमिक श्रीमती रुचि सिंह , उपनिदेशक डॉ. आदित्य सिंह, डॉ. अब्दुल रब खान, रजिस्ट्रार रोहित सिंह, अध्यापक राजीव कुमार, ऋषभ शुक्ल, अनुभा धुरिया, रेहान अहमद, तान्या उपाध्याय, नीलम वर्मा , प्रांजुल वर्मा, मोहित यादव, साहिल सिंह, तिलक राज , अरुण सिंह, प्रीति यादव, प्रवीण यादव , अबरार अली, रमा सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

सभागार में वानिकी व कृषि वानिकी पर दिया गया प्रशिक्षण

लखनऊ-माल ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को वानिकी व कृषि वानिकी पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन मलिहाबाद रेंजर आलोक तिवारी व एडीओ पंचायत सुनील सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम में ग्राम विकास विभाग के

अधिकारी,ग्राम प्रधान सहित वन दरोगा मोहम्मद ताहिर,वन रक्षक दिलीप सिंह चौहान,जयराम यादव,और बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को वानिकी, कृषि वानिकी और पौधशाला संचालन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई।रेंजर आलोक तिवारी ने पौधारोपण, पौध संरक्षण तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने का आह्वान किया।

बेखौफ चोरों ने बिजली के दस पोल लाइन के तार खोलकर फरार

मलिहाबाद, लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने बिजली के दस पोल की कीमती लाइन के तार खोलकर फरार हो गए हैं। पहले की तरह पुलिस फिर चोरी की घटना रोक पाने में विफल रही है जिससे ग्रामीणों में भव्य का माहौल बना है। रहीमाबाद थाना क्षेत्र इन दिनों चोरों के लिए पसंदीदा बन चुका है। बेखौफ चोरों ने पुलिस को खुली चुनौती देते हुए दो अलग अलग ट्यूबवेल पर गई बिजली के दस पोल के तार गुरुवार रात खोलकर फरार हो गए। क्षेत्र के तेरवा गांव निवासी मुन्ना सिंह गांव से कुछ दूर अपने खेत में निजी ट्यूबवेल चलाते हैं। गुरुवार देर रात बेखौफ चोर छह पोल के कीमती तार खोलकर फरार हो गए। वहीं गांव के ही हीरालाल ने बताया मलिहाबाद क्षेत्र के रविशंकर का खेत गांव के पास ही जहां जहां ट्यूबवेल लगा है और वह उसपर नौकरी करते हैं। गुरुवार रात को वह सो गए सुबह जब उठे तो बिजली के चार पोल के तार गायब थे जिसकी सूचना उन्होंने अपने मालिक को दी। शुक्रवार को हरीराम, मुन्ना सिंह ने रहीमाबाद पुलिस को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर चोरों के खिलाफ कार्यवाही कर उन्हें गिरफ्तार किए जाने की मांग की है।

ग्रामीणों में भय......

लगातार क्षेत्र में हो रही चोरियों से ग्रामीण भय में आ गए हैं। ग्रामीणों का कहना है रहीमाबाद पुलिस का चोरों में कोई भय ही नहीं है इसलिए आय दिन चोर पुलिस को खुली चुनौती देकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान को मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स, 7 महीनों में 2.76 लाख से ज्यादा युवाओं ने किया आवेदन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनाने की दिशा में लगातार आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसी के तहत सीएम योगी प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रहे हैं। इन योजनाओं में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है। इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के 7 माह में अब तक प्रदेश भर में ढाई लाख से अधिक आवेदन आ चुके हैं, जबकि योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 50 हजार लोन वितरित का लक्ष्य रखा है। इन आंकड़ों से साफ है कि सीएम योगी की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान युवाओं को अपनी आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। वहीं योजना का लाभ शत प्रतिशत देने में पूरे उत्तर प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है जबकि दूसरे स्थान पर आजमगढ़ और तीसरे स्थान पर अंबेडकरनगर है।

7 माह में ढाई लाख से अधिक युवाओं ने किया आवेदन

पूरे देश में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ही है, जो प्रदेश के युवाओं को सिर्फ रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर नहीं दे रही है बल्कि उन्हे एक मजबूत उद्यमी बनने के लिए सक्षम बना रही है। इसी का असर है कि प्रदेश के युवा न केवल अपने व्यवसाय को बढ़ावा दे रहे हैं बल्कि समाज के लिए भी एक सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस योजना के तहत वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 50 हजार लक्ष्य के सापेक्ष 7 माह में पूरे प्रदेश से 2,76,824 युवा लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं, जबकि 2,26,511 आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है। इनमें से 73,191 आवेदनों को बैंक ने लोन देने की स्वीकृति दे दी है, जबकि 71,918 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

शत प्रतिशत 2,256 युवाओं को किया लोन वितरित

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना का शत प्रतिशत लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर ने आवेदकों को लोन वितरित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सीएम योगी की मंशा के अनुरूप जिले में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से संपर्क कर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जिले को अभियान के तहत 2,250 युवाओं को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष 7 माह में 6,664 आवेदन प्राप्त हुए, जिसके सापेक्ष 5,410 आवेदनों को बैंक को भेज दिया गया है। इनमें से 2,256 आवेदकों को लोन वितरित किया जा चुका है। ऐसे में लक्ष्य के सापेक्ष इसका रेश्यो 100.27 प्रतिशत है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश में जौनपुर ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के महज 7 माह में लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा किया है। इसी के साथ पूरे प्रदेश में शत प्रतिशत युवाओं को लोन वितरित करने में पहला स्थान प्राप्त किया है। जिलाधिकारी ने बताया कि इस सफलता में अग्रणी जिला प्रबंधक अभय प्रकाश श्रीवास्तव का अहम योगदान है।

आजमगढ़ में ब्लॉक स्तर पर वर्कशाप का आयोजन कर युवाओं को दिया जा रहा योजना का लाभ

आजमगढ़ जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जिले के अधिक से अधिक युवाओं को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान का लाभ देने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योजना का लाभ देने में अप्रैल-25 से पहले जिला 25 वें स्थान पर था। वहीं अप्रैल के बाद योजना का लाभ हर जरूरतमंद युवाओं को देने के लिए लगातार ब्लॉक स्तर पर वर्कशाप आयोजित की जा रही है। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बैंकर्स और आवेदकों के आमने-सामने कार्उसिलिंग करायी जा रही है। यही वजह है कि पिछले कई माह से आजमगढ़ योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में लगातार दूसरे स्थान पर बना हुआ है। जिलाधिकारी ने बताया कि अक्टूबर माह में भी योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि आजमगढ़ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2,250 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष 7 माह में 5,748 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 4,775 आवेदनों को बैंक को भेजा गया, जिसमें से 2,085 को लोन वितरित किया जा चुका है।

स्मार्ट मीटर को लेकर जेई-एसडीओ पर गिरी गाज, तीन अधिशासी अभियंताओं को नोटिस जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने आदेशों की अनदेखी करने वाले उन्नाव के पुरवा में तैनात उपखंड अधिकारी अनिल कुमार वर्मा और अवर अभियंता संतोष कुमार श्रीवास्तव को निलंबित कर दिया है। एमडी ने चार नवंबर को उन्नाव में निरीक्षण किया था। कई कमियां पायी थी। दोनों निलंबित अभियंताओं को बरेली के प्रथम जोन से संबंद्ध किया गया है। इसके अलावा तीन अधिशासी अभियंताओं को नोटिस दी गई है। निरीक्षण में दो दर्जन कमियां पायी गई थी। जिन अधिशासी अभियंताओं को कारण बताओ नोटिस दिया गया है उनमें पुरवा के अधिशासी अभियंता विष्णु दयाल यादव, मगरवारा उन्नाव के अधिशासी अभियंता भरत एवं रायबरेली के एक अन्य अधिशासी अभियंता को नोटिस जारी करते हुए सात दिन में जवाब मांगा है।

निरीक्षण में ट्रांसफार्मर के रखरखाव, जर्जर लाइन, एबीसी व पेटी देखकर एमडी ने नाराजगी जताई थी। प्रबंधन का मानना है कि अधिशासी अभियंताओं ने अगर अपने-अपने क्षेत्र में समय से मौका मुआयना किया होता तो जो कमियां पायी गई हैं, वह नहीं मिलती। इसके अलावा 400 केवीए का ट्रांसफार्मर बिना सुरक्षा तंत्र यानी अर्थिंग के चालू पाया गया। ट्रांसफार्मर की पेटी की जर्जर हालत देखकर एमडी सभी जिम्मेदारों पर नाराज हुई। जेई, एसडीओ और अधिशासी अभियंता की लापरवाही यही नहीं थमी। इन अभियंताओं ने उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डा. आशीष गोयल के आदेश को दरकिनार करते हुए मात्र 12 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के परिसरों में लगाए। लक्ष्य कही इससे ज्यादा का था।

तहसील बिसवां को जिला बनाए जाने की मांग को लेकर पत्रकारों ने एसडीएम बिसवा को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां (सीतापुर)- तहसील बिसवां को जिला घोषित किए जाने की मांग को लेकर तहसील क्षेत्र के समस्त पत्रकारों ने पत्रकार एवं अधिवक्ता नीरज कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में शुक्रवार को महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिसवां शिखा शुक्ला को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि बिसवां तहसील ऐतिहासिक, भौगोलिक,सामाजिक और प्रशासनिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। तहसील बिसवा जनपद सीतापुर की सबसे बड़ी तहसील है।यहां की जनसंख्या लगभग 8 से 10 लाख के बीच है तथा सैकड़ों ग्राम पंचायतें और अनेक शैक्षणिक,औद्योगिक व धार्मिक संस्थान स्थित हैं।

तहसील बिसवा की सीतापुर मुख्यालय से बिसवां की दूरी लगभग 35 किलोमीटर होने के कारण आम नागरिकों, किसानों,छात्रों और व्यापारियों को प्रशासनिक व न्यायिक कार्यों के लिए कठिनाई का सामना करना पड़ता है। पत्रकारों ने कहा कि बिसवां भौगोलिक रूप से केंद्र में स्थित है और इसके आसपास की तहसीलों महमूदाबाद,लहरपुर, सिधौली व रेउसा की दूरी औसतन 25 से 30 किलोमीटर है। पत्रकारों ने कहा कि बिसवां को जिला बनाए जाने से इन क्षेत्रों के लोगों को भी सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति प्राप्त होगी।

ज्ञापन में बताया गया कि बिसवां न केवल व्यापारिक केंद्र है बल्कि यहां शुगर फैक्ट्री, रेडिको खेतान कंपनी जैसी औद्योगिक इकाइयाँ संचालित हैं। साथ ही दरी उद्योग और ताजिया निर्माण से जुड़ा व्यवसाय स्थानीय स्तर पर बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। पत्रकारों ने महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन से मांग की कि क्षेत्र की जनभावनाओं,ऐतिहासिक पहचान और प्रशासनिक आवश्यकता को देखते हुए बिसवां को शीघ्र 'जिला बिसवां' घोषित किया जाए। ज्ञापन देने वालों में वरिष्ठ पत्रकार एवं अधिवक्ता आर एन सिंह, इंतिखाब आलम सिद्दीकी, अश्विनी त्रिपाठी, आशीष मिश्रा, आनंद मेहरोत्रा, विजय अवस्थी, राजीव बाजपेई, मोहित जायसवाल,अमित जायसवाल, पीयूष बाजपेई, बिलाल खान, अय्यूब खान, पंकज भारतीय, अवधेश शुक्ला, चांद खान, विजय शंकर बाजपेई, सिराज अहमद,अनमोल मौर्या, शावेज़ खान, हरि शंकर गुप्ता, कुलदीप अवस्थी,आलोक अवस्थी, अतुल त्रिवेद्वी, आशुतोष तिवारी, मधुकर वर्मा, अनुज श्रीवास्तव,लकी श्रीवास्तव, हरि ओम बाजपेई, नय्यर शकेब, वहाजुद्दीन सहित काफ़ी संख्या में पत्रकार गण प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सड़क चौड़ीकरण के लिए चला प्रशासन का बुलडोजर, मस्जिद की सीढ़ियां वकीलों के घरों के सामने अतिक्रमण ध्वस्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर में शहर के आलमनगर क्षेत्र में गुरुवार शाम को सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्य के लिए प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया अभियान के दौरान राजस्व टीम और नगर पालिका के कर्मचारियों के साथ बुलडोजर चलाया गया। इस कार्रवाई में मस्जिद की सीढ़ियों सहित आसपास बने निर्माणों, दुकानों और कुछ वकीलों के मकानों के सामने बने अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई हुई जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा जानकारी के मुताबिक, सड़क निर्माण में बाधा बन रहे अतिक्रमणों को हटाने के लिए प्रशासन ने पहले ही नोटिस जारी किया था गुरुवार शाम जेसीबी मशीनें लेकर टीम मौके पर पहुंची तो कई लोगों ने खुद ही अपने मकानों और दुकानों के आगे बने हिस्से पर हथौड़े चलाने शुरू कर दिए कई लोगों ने स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाया, जबकि कुछ ने विरोध भी जताया अभियान के दौरान कुछ लोगों की राजस्व कर्मियों से नोकझोंक हो गई, लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रण में रही राजस्व विभाग, पालिका प्रशासन और पुलिस के संयुक्त अभियान के चलते सड़क का अधिकांश हिस्सा अतिक्रमणमुक्त कराया गया। मौके पर मौजूद ने नायाब तहसीलदार महेंद्र तिवारी ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण कार्य को लेकर पूर्व में ही क्षेत्रवासियों को चेतावनी दी गई थी अब किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, कुछ प्रभावितों ने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त समय दिए उनके मकानों के सामने चबूतरों पर बुलडोजर चला दिया गया फिलहाल प्रशासन ने सड़क किनारे बचे हुए अतिक्रमणों की सूची तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान डूडा के जेई पीयूष मिश्रा, लेखपाल अंजनी पांडे सहित नगर पालिका और राजस्व की टीम मौजूद रही!!

भारी वाहनों का रूट डायवर्जन गोला से शहर आने वाले वाहन महोली से गुजरेंगे, मंडी चौकी पर जाम से मिलेगी निजात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर के शहर में मंडी चौकी क्षेत्र में लगने वाले लगातार जाम से अब राहत मिलने की उम्मीद है गन्ना भरकर आने वाले बड़े वाहनों की वजह से हर दिन लगने वाले जाम को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। शहर में अब बड़े वाहनों की नो-एंट्री लागू कर दी गई है इससे खास तौर पर मंडी चौकी से लेकर बिसवां रोड तक लगने वाले लंबे जाम से लोगों को निजात मिलेगी शनिवार सुबह से यह व्यवस्था लागू हो जाएगी। गोला की दिशा से आने वाले गन्ना भरे ट्रकों और भारी वाहनों के लिए प्रशासन ने नया रूट निर्धारित किया है अब ये वाहन काजी कमालपुर से सीधे महोली के रास्ते अपने गंतव्य तक जाएंगे इस डायवर्जन से शहर के अंदर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगेगी और यातायात व्यवस्था में सुधार आएगा। पिछले कई महीनों से मंडी चौकी और उसके आसपास के क्षेत्र में गन्ना लदे वाहनों के कारण जाम की समस्या गंभीर हो गई थी सुबह और शाम के समय आम लोगों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ता था स्थानीय लोगों और व्यापारियों की शिकायतों के बाद पुलिस प्रशासन हरकत में आया। एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर ट्रैफिक पुलिस ने रूट डायवर्जन जारी किया है सीओ सिटी विनायक भोसले ने बताया कि गोला की ओर से आने वाले सभी बड़े वाहन अब शहर की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे डायवर्जन रूट पर साइन बोर्ड और पुलिसकर्मियों की तैनाती भी की जा रही है ताकि व्यवस्था सुचारु रूप से लागू की जा सके प्रशासन का दावा है कि इस निर्णय से शहर के भीतर यातायात सुगम होगा और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी!!

निजी अस्पताल में प्रसूता की मौत से मचा हड़कंप, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप, डॉक्टर समेत दो हिरासत में

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर- जनपद सीतापुर के रेउसा थाना इलाके के कस्बे में एक निजी अस्पताल में डिलीवरी के बाद मौत से हड़कंप मच गया परिजनों ने अस्पताल संचालक डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाया है। मामला बढ़ने पर स्थानीय विधायक ज्ञान तिवारी मौके पर पहुंचे और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की। बढ़हीडीह निवासी शुभम पांडे की पत्नी पंछी (20) को प्रसव पीड़ा होने पर लखनऊ सेवा हॉस्पिटल, रेउसा में भर्ती कराया गया था गुरुवार की शाम महिला का ऑपरेशन कर डिलीवरी कराई गई थी। परिवार के अनुसार, ऑपरेशन के बाद महिला की हालत लगातार बिगड़ती रही, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने लापरवाही बरती। शुक्रवार को प्रसूता की मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही परिजनों ने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर विधायक ज्ञान तिवारी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली उन्होंने मौके से ही मुख्य चिकित्साधिकारी को फोन कर स्थिति से अवगत कराया और तत्काल जांच के आदेश देने को कहा विधायक ने थानाध्यक्ष रेउसा हनुमंत तिवारी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा के अधीक्षक अनंत मिश्रा को भी कार्रवाई के निर्देश दिए। विधायक के निर्देश के बाद पुलिस ने अस्पताल संचालक डॉक्टर हाजी एम. रजा और उनके एक सहयोगी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। प्रसूता की मौत के बाद परिजनों में शोक और आक्रोश व्याप्त है वहीं प्रशासन का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और अस्पताल की भूमिका की भी गहनता से जांच की जा रही है!!

सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिया संज्ञान, लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नहीं निरस्त होंगी विवाह समारोह की बुकिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

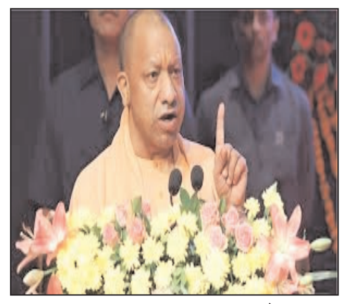

लखनऊ- वैवाहिक और अन्य बड़े समारोहों के लिए बेहद मुफीद माने जाने वाले इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आइजीपी), गोमती नगर में दस दिन के लिए सभी समारोहों की बुकिंग अब निरस्त नहीं होंगी। बुकिंग निरस्त होने के कारण आमजन को हो रही परेशानी का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर लखनऊ विकास प्राधिकरण ने 21 से 30 नवंबर के मध्य आइजीपी की उन सभी बुकिंग को बहाल कर दिया है, जिन्हें पूर्व में इन्वेस्ट यूपी के कहने पर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के आयोजन के लिए निरस्त किया गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास ही आवास मंत्रालय है, जिसके अधीन सभी विकास प्राधिकरण हैं।

इन्वेस्ट यूपी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण को पत्र भेजा गया था। जिसमें 'ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-5.0' के आयोजन के लिए 21 नवम्बर से 30 नवबंर तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान परिसर को इन्वेस्ट यूपी के नाम पर आरक्षित करने का अनुरोध किया गया था। जिसके क्रम में उक्त अवधि में सभी बुकिंग को निरस्त करते हुए परिसर को दस दिनों के लिए इन्वेस्ट यूपी के नाम पर आरक्षित कर दिया गया था। इसके कारण पूर्व में विवाह समारोह आदि के लिए इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के विभिन्न हॉल एवं लॉन की बुकिंग कराने वाले परिवार असमंजस में पड़ गये थे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-5.0 के लिए 21 नवंबर से 30 नवबंर के मध्य पूर्व में निरस्त की गयीं सभी 41 बुकिंग को बहाल कर दिया गया है। अब विवाह समारोह आदि के लिए बुकिंग कराने वाले लोग निर्धारित तारीखों पर आइजीपी में अपने आयोजन कर सकेंगे। इस सम्बंध में इन्वेस्ट यूपी से पत्र भी प्राप्त हो गया है, जिसके मुताबिक फिलहाल उन्हें आइजीपी की बुकिंग की आवश्यकता नहीं है।

श्री श्याम भक्त मंडल द्वारा तृतीय श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन

● भजनों की सुरधारा में झूमे श्याम प्रेमी, प्राचीन दुर्गा माता मंदिर परिसर गूंज उठा 'श्याम' के जयघोष से

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। नगर पंचायत मोहनलालगंज मऊ स्थित प्राचीन दुर्गा माता मंदिर में गुरुवार की देर शाम श्री श्याम भक्त मंडल द्वारा तृतीय श्याम संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया। जोत प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिसे मंडल समिति के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से संपन्न कराया। जैसे ही श्याम का नाम गूंजा, मंदिर परिसर भक्ति और श्रद्धा की लहरों से भर उठा और हर ओर 'श्याम श्याम' के जयघोष गूंजने लगे। कार्यक्रम में भजन गायक/गायिकाएं कंचन त्रिवेदी, पवन मिश्रा, आशीष चित्रवंशी और अनुष्का मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज़ों से श्याम भक्ति का अद्भुत माहौल बना दिया। गायक पवन मिश्रा ने 'सब कुछ है सरकार मेरा तो कुछ भी नहीं ', 'जो होगा देखा जाएगा' और 'हरा हो बाबा, मुझ तुझ पर भरोसा है' जैसे भजनों से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं कंचन त्रिवेदी ने 'राधे राधे ', 'ठाकुर जी गले लगा लो' और 'गोलोक के ठाकुर प्यारे' जैसे भजनों से वातावरण को भक्तिरस में रंग दिया।

आशीष चित्रवंशी और अनुष्का मिश्रा ने भी अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से श्रोताओं का मन मोह लिया। संकीर्तन के दौरान बाबा श्याम का भव्य दरबार आकर्षण का केंद्र बना रहा, जहाँ दूर-दूर से आए हज़ारों श्रद्धालुओं ने मत्था टेका और आशीर्वाद प्राप्त किया। श्रद्धा और आस्था से सराबोर यह आयोजन केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं रहा, बल्कि एक आध्यात्मिक उत्सव बन गया जिसने यह साबित कर दिया कि श्याम संकीर्तन केवल भक्ति का मंच नहीं, बल्कि प्रेम और एकता का सेतु है, जो हर वर्ष लोगों को जोड़ता चला जा रहा है। इस दौरान श्याम भक्ति मंडल के कार्यकर्ताओं की कार्यक्रम में मौजूदगी रही ।

विद्या भारती की टीम ने किया विद्यालय का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- जिला मुख्यालय के बेड़ीपुलिया स्थित बैजनाथ भारद्वाज सरस्वती विद्या मंदिर इण्टर कॉलिज का शुक्रवार को विद्या भारती की टीम ने प्रान्तीय योजनानुसार वार्षिक निरीक्षण किया गया। साथ ही वंदे मातरम् की 150वीं जयंती पर वंदे मातरम् का सामूहिक वाचन किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रातःकालीन शारीरिक बेला में सभी विद्यार्थियों द्वारा किए गए शारीरिक प्रदर्शन का अवलोकन किया गया। इसके बाद आध्यात्मिक बेला में दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन के साथ सरस्वती वंदना की गई। इस दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेन्द्र पाण्डेय ने विद्या भारती के टीम के सदस्यों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इसी क्रम में विद्यालय में वन्दे मातरम् की 150वीं जयंती मनाई गई। इस दौरान विद्यालय के अध्यक्ष कमलाकान्त उपाध्याय ने वन्दे मातरम् गीत के रचनाकार बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय की प्रसिद्ध कृति आनन्दमठ के बारे में जानकारी दी। इसके बाद विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेन्द्र पाण्डेय सहित सभी विद्यार्थियों व शिक्षकगणों ने वन्दे मातरम् का सामूहिक वाचन किया। इस मौके पर कानपुर के सम्भाग निरीक्षक अजय दुबे, सरस्वती विद्या मंदिर कुरारा के प्रधानाचार्य गिरीश शुक्ला, रसायन विज्ञान प्रवक्ता शुभम द्विवेदी, भौतिक विज्ञान प्रवक्ता प्रीतम, कार्यालय प्रमुख आदित्य, मीडिया प्रमुख विश्वास पाण्डेय, सर्वव्यवस्था प्रमुख शिवनायक, शिक्षण प्रमुख प्रमोद कुमार पाण्डेय, कार्यालय प्रमुख गोरेलाल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली एयरपोर्ट पर ATS सिस्टम हुए फेल, 100 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट, वर्ल्ड चैंपियन महिला खिलाड़ी भी फंसीं

नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (IGI) पर आज सुबह एयर ट्रैफिक सिस्टम (ATS) में आई तकनीकी खराबी के कारण हवाई यात्रा बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस बड़ी गड़बड़ी के चलते कई रूटों की 100 से अधिक उड़ानें प्रभावित हुई हैं जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तकनीकी खराबी और यात्रियों की परेशानी

दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) सिस्टम में सॉफ्टवेयर संबंधी खराबी आने की सूचना है। इस खराबी के कारण उड़ानों की टेकऑफ और लैंडिंग पर रोक लग गई है या उनमें देरी हो रही है।दिल्ली एयरपोर्ट के आधिकारिक 'एक्स' हैंडल ने इस तकनीकी खराबी की पुष्टि करते हुए बताया कि डायल (DIAL) सहित सभी हितधारकों की टीम इस समस्या को जल्द से जल्द हल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

यात्रियों को सलाह

एयर इंडिया स्पाइसजेट और इंडिगो जैसी एयरलाइंस ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है और उन्हें अपनी उड़ान संबंधी नवीनतम जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन्स के संपर्क में रहने की सलाह दी है।

अवैध परमाणु गतिविधियां पाकिस्तान का इतिहास, भारत ने खोली पाकिस्तान की पोल

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग की. इस दौरान कई अहम मुद्दों पर जवाब दिया. इसमें पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण, ट्रंप के भारत दौरे और रिटायर्ड मेजर विक्रांत जेटली के मामले पर जवाब दिया. ट्रंप के भारत दौरे वाले बयान पर मंत्रालय ने दो टूक कहा, हमें इस बारे में कोई जानकारी नहीं है. विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण पर कहा, गुप्त और अवैध परमाणु गतिविधियां पाकिस्तान के इतिहास का हिस्सा हैं, जो दशकों से तस्करी, निर्यात नियंत्रण उल्लंघन, गुप्त साझेदारियों, ए.क्यू. खान नेटवर्क और परमाणु प्रसार पर केंद्रित है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत ने हमेशा पाकिस्तान के इतिहास के इन पहलुओं की ओर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय का ध्यान आकर्षित किया है. इस मामले में भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की पाकिस्तान के परमाणु परीक्षण के बारे में टिप्पणी पर ध्यान दिया है।

दूतावास हर संभव सहायता प्रदान कर रहा

विदेश मंत्रालय ने मेजर जेटली (सेवानिवृत्त) के मामले पर कहा, इस मामले की हमें जानकारी है. अबू धाबी स्थित हमारे दूतावास के अधिकारियों ने नियमित रूप से उनसे संपर्क किया है. चार बार उनसे मुलाकात की है. हमारा दूतावास उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा. दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देशानुसार, हमारा दूतावास हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है।

कोचिंग सेंटर बेसमेंट में 3 छात्रों की मौत पर बड़ा एक्शन, एलजी वीके सक्सेना ने 2 अधिकारियों पर कार्रवाई को दी मंजूरी

दिल्ली में जुलाई 2024 में ओल्ड राजेन्द्र नगर स्थित राउज कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में 3 छात्रों की मौत के मामले में अब फायर विभाग के दो अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी. दिल्ली के उपराज्यपाल (LG) वी.के. सक्सेना ने फायर विभाग के अधिकारी वेदपाल और उदयवीर सिंह के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मंजूरी दी है. दावा किया जा रहा है कि दोनों अधिकारियों ने इस मामले में पहले लापरवाही बरती, फिर तथ्यों को भी छिपाया था. जांच में पाया गया कि दोनों अधिकारियों ने 1 जुलाई 2024 को बेसमेंट का निरीक्षण कर गलत रिपोर्ट दी थी और अवैध रूप से उसे लाइब्रेरी के रूप में उपयोग की अनुमति दी, जिसके आधार पर 9 जुलाई को फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट जारी हुआ. इसके बाद 27 जुलाई 2024 को भारी बारिश के बाद बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत हो गई थी।

तथ्यों को भी छिपाया

अभी तक की जांच में दोनों अधिकारी पहले ही निलंबित किए जा चुके हैं. अब उनके खिलाफ सीसीएस (CCA) नियम 1965 के नियम 14 और 18 के तहत कार्रवाई शुरू की गई है. उपराज्यपाल ने विजिलेंस विभाग को जांच निर्धारित समय में पूरी करने के निर्देश दिए हैं. वे लगातार कह रहे हैं कि इस मामले में प्रशासनिक जिम्मेदारी और जवाबदेही में कोई समझौता नहीं होगा. उनका कहना है कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आ रहे हैं उसे रिपोर्ट में लिखा जा रहा है. एलजी का कहना है कि इस घटना के दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा. पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

पानी में दम घुटने से हुई थी छात्रों की मौत

बता दें, 27 जुलाई 2024 को भारी बारिश के कारण कोचिंग सेंटर के बेसमेंट लाइब्रेरी में पानी भर गया, जिसमें उत्तर प्रदेश की श्रेया यादव (25), तेलंगाना की तन्या सोनी (25) और केरल के नेविन डेल्विन (24) की दम घुटने से मौत हो गई थी. इस घटना के बाद दिल्ली के अंदरूनी इलाकों में चल रही लाइब्रेरी को लेकर खूब बवाल हुआ था. कई दिन तक छात्रों और मृतकों के परिजनों ने धरना प्रदर्शन भी किया था।

जेल से रंगदारी मांगने का मामला: बागपत के कुख्यात अपराधी ढाका को तन्हाई बैरिक में किया गया शिफ्ट

● जेल प्रशासन की लापरवाही पर जेलर, उपकारापाल सहित जेल वार्डर निलंबित

रामनरेश गौतम बने नए जेलर, जेल में कड़ी निगरानी रखने के दिये निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कैदी

सिम उयलब्ध कराने बाला बंदी।

ललितपुर। जिले के जिला कारागार में बागपत के कुख्यात अपराधी ज्ञानेन्द्र ढाका की करतूतों का पर्दाफाश होते ही जेल प्रशासन पर गाज गिरी है। ढाका द्वारा जेल से रंगदारी की साजिश रचने, जेल में मोबाइल और सिम कार्ड की तस्करी करने, और अन्य कैदियों के साथ मारपीट करने की घटना ने प्रशासन की नाकामी को उजागर किया। इस मामले में तीन जेल अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है, जबकि दोषी कैदी को काल-कोठरी में शिफ्ट किया गया है। ज्ञानेन्द्र ढाका, जो बागपत के एक हत्यारोपी और गैंगस्टर के तौर पर जेल में निरुद्ध था, ने हाल ही में बागपत जिले के एक स्कूल प्रबंधक से 20 लाख रुपये की रंगदारी मांगी थी। रंगदारी की यह साजिश तब सामने आई जब ढाका ने एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर पीड़ित से धमकी दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जेल में औचक निरीक्षण के दौरान यह खुलासा हुआ कि ढाका के पास एक कीपैड मोबाइल, सिम कार्ड और एक नुकीली चम्मच जैसी प्रतिबंधित वस्तुएं मिलीं। इन वस्तुओं का इस्तेमाल उसने रंगदारी मांगने और जेल में अन्य कैदी पर हमला करने के लिए किया था।

डीआईजी जेल व डीएम, एसपी के निरीक्षण के बाद जेल प्रशासन पर गिरी गाज

घटना के सामने आने के बाद जेल प्रशासन पर कड़ी कार्रवाई की गई। डीआईजी जेल कानपुर प्रदीप गुप्ता, जिलाधिकारी सत्यप्रकाश और एसपी मो. मुस्ताक की टीम ने जेल का निरीक्षण किया और पाया कि ढाका के पास से बरामद मोबाइल और सिम कार्ड का इस्तेमाल उसने रंगदारी के लिए किया था। इसके अलावा, नुकीली चम्मच से एक अन्य कैदी पर हमला करने की जानकारी भी मिली। इस मामले में जेल अधीक्षक जीवन सिंह, उप कारापाल प्रिंस बाबू और जेल वार्डर आकाश को लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद, जेल प्रशासन ने ढाका को उसकी बैरक से हटाकर एक अलग काल-कोठरी में शिफ्ट कर दिया।

जानकारी देते अपर एसपी

नए जेलर की नियुक्ति और सुधार की दिशा में कदम

इस घटना के बाद जेल प्रशासन में बदलाव के संकेत भी मिले हैं। जेल अधीक्षक के पद पर लापरवाही के कारण निलंबित किए गए जीवन सिंह की जगह अब रामनरेश गौतम को नए जेलर के रूप में नियुक्त किया गया है। नए जेलर रामनरेश गौतम ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद जेल के सभी कर्मचारियों को कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। गौतम ने कहा जेल में कोई भी कैदी अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम सभी बंदियों पर निगरानी रखने के लिए नई रणनीति बनाएंगे, ताकि जेल में कोई भी गड़बड़ी न हो।

इनका कहना है

जिला कारागार में बागपत का एक ज्ञानेंद्र ढाका नामक कैदी बंद था, जिसने बागपत के ही स्कूल संचालक से रंगदारी मांगी थी। इस मामले की जब जिला कारागार में पड़ताल की गई, तो अभियुक्त के पास से एक कीपैड फोन बरामद हुआ। इस मामले में अभियुक्त के खिलाफ मामला पंजीकृत कराया गया और इस कीपैड फोन में डालने वाली सिम उपलब्ध कराने वाले आरोपी सतीश यादव को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही बंदी पर हमला करने के आरोप में भी बंदी की तहरीर पर शातिर अभियुक्त के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। इसके साथ ही लापरवाही बरतने पर जेल अधीक्षक सहित तीन कर्मचारियों पर निलंबन की कार्यवाही की गई। कालू सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, ललितपुर।

छत्तीसगढ़ रेल हादसा: लोको पायलट यूनियन का आरोप- शुरुआती जांच रिपोर्ट में प्रशासन की खामियां छिपाई गईं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- लोको पायलट यूनियन ने छत्तीसगढ़ ट्रेन टक्कर की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट, जिसमें यात्री ट्रेन के चालक दल को दुर्घटना के लिए ज़िम्मेदार ठहराया गया है, में तथ्यात्मक त्रुटियां होने का आरोप लगाया है. मालूम हो कि मंगलवार (4 नवंबर) को स्थानीय मेमू (मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट) ट्रेन छत्तीसगढ़ के बिलासपुर ज़िले में एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई थी, जिसमें लोको पायलट समेत 11 लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे. समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पांच रेल विशेषज्ञों द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में इस दुर्घटना के लिए मेमू ट्रेन के चालक दल को ज़िम्मेदार ठहराया गया है, जिसमें कहा गया है कि वे रेड सिग्नल पर ट्रेन को नियंत्रित करने में विफल रहे, जिसके चलते मालगाड़ी से टक्कर हो गई. इसके बाद संबंधित रेलवे जोन को लिखे पत्र में ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (एआईएलआरएसए) ने आरोप लगाया कि प्रारंभिक जांच 'काल्पनिक विवरण' पर आधारित थी और रिपोर्ट में गलत सिग्नल संख्याएं दर्ज की गई हैं।

रिपोर्ट 'पूर्वाग्रहपूर्ण तरीके' से तैयार की गई: यूनियन

एआईएलआरएसए बिलासपुर के जोनल महासचिव वीके तिवारी ने दावा किया कि रिपोर्ट 'पूर्वाग्रहपूर्ण तरीके' से तैयार की गई है, ताकि चालक दल पर दोष मढ़ा जा सके और रेलवे प्रशासन की अन्य कमियों को छुपाया जा सके. तिवारी ने कहा, 'हमारा संगठन बिना किसी तथ्यात्मक जांच के रेलवे प्रशासन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट पर गंभीर आपत्ति जताता है.' यूनियन ने सिग्नल फेल होने की संभावना जताई है और कहा है कि तकनीकी खराबी के कारण मेमू चालक दल को हरी झंडी दिखाई दी होगी. इस संबंध में एआईएलआरएसए के महासचिव अशोक कुमार राउत ने कहा, 'हमने ट्रेन की गति का फ्लो चार्ट देखा है. इससे पता चलता है कि स्थानीय मेमू चालक दल ने एक सिग्नल 42 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पार किया।

अगर उन्होंने अगला सिग्नल लाल देखा होता, तो उन्होंने गति 42 किमी प्रति घंटे से बढ़ाकर 73 किमी प्रति घंटे क्यों की? ऐसा लगता है कि सिग्नल हरा था और इसीलिए उन्होंने गति बढ़ा दी? 'उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जब उन्होंने आगे मालगाड़ी देखी, तो उन्होंने रोकने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाए, लेकिन रुकने से पहले ही मालगाड़ी से टक्कर हो गई. स्पीड फ्लो चार्ट टक्कर से पहले आपातकालीन ब्रेक लगाने को दर्शाता है।'

एआईएलआरएसए सदस्यों ने ज़ोर देकर कहा कि रेलवे का प्रारंभिक निष्कर्ष अंतिम नहीं है, क्योंकि यह पर्यवेक्षी अधिकारियों द्वारा दिया गया है. लोको पायलट यूनियन ने कहा, 'जब तक रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) अंतिम रिपोर्ट नहीं दे देते, किसी को भी दोषी ठहराना गलत है. सीआरएस ने अभी जांच शुरू ही की है।'

रेल हादसों का सिलसिला जारी

गौरतलब है कि बीते कुछ समय में लगातार बड़े रेल हादसों की खबरें सामने आई हैं, जिसमें व्यापक स्तर पर जान-माल की हानि देखी गई है. गुरुवार को ही दक्षिण मुंबई के सैंडहर्स्ट रोड रेलवे स्टेशन के पास एक लोकल ट्रेन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. बिलासपुर हादसे के ठीक एक दिन बाद उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर के चुनार में कार्तिक पूर्णिमा के दिन ट्रेन से उतरकर लाइन पार करते समय कालका मेल की चपेट में आने से छह लोगों की मौत हो गई. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में देशभर में रेल हादसों में 21,803 लोगों की मौत हुई है. वहीं इस अवधि में कुल 24,678 रेल हादसों की जानकारी दर्ज की गई है।

राज्यों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में सबसे ज़्यादा मौतें रिपोर्ट की गई हैं. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, 2023 में हुए सभी रेल हादसों में से 56 मामलों का कारण ड्राइवर की गलती रही, जबकि 43 हादसे तकनीकी खामियों- जैसे ख़राब डिज़ाइन, पटरियों की खराबी या पुल और सुरंग के ढहने के चलते हुए. रिपोर्ट बताती है कि 'ट्रेन से गिरने या पटरियों पर लोगों से टकराने' जैसी घटनाएं रेल हादसों का सबसे बड़ा हिस्सा, 74.9%, रहीं. इन मामलों की संख्या 18,480 दर्ज की गई, जिनमें से 15,878 लोगों की मौत हुई. यह 2023 में हुई कुल मौतों का 72.8% है. अकेले महाराष्ट्र में ऐसे मामलों की हिस्सेदारी 29.8% (5,507 केस) रही. कुल मिलाकर, साल 2022 की तुलना में 2023 में रेल हादसों के मामलों में 6.7% की बढ़ोतरी दर्ज की गई. 2022 में 23,139 मामले दर्ज हुए थे, जबकि 2023 में यह बढ़कर 24,678 हो गए. इन हादसों में 3,014 लोग घायल और 21,803 लोग मारे गए।

गोविंदपुरी थाना पुलिस एवं ट्रैफिक पुलिस ने अदम्य साहस से कार में लगी आग से महिला एवं बच्ची को बचाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस दक्षिण पूर्व जिला का असाधारण बहादुरी और त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करता है। पीएस गोविंदपुरी और ट्रैफिक यूनिट के पुलिस कर्मचारियों ने कल एक गंभीर घटना में,जिसने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की और एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। 6 नवंबर, 2025 की शाम को,लगभग 5:37 बजे, पुलिस कंट्रोल रूम को एक मर्सिडीज-बेंज कार (पंजीकरण संख्या M H 14G A8228) के बारे में एक संकटपूर्ण कॉल आया, जिसमें स्थिर रहते हुए अनायास आग लग गई थी। तारा अपार्टमेंट क्रॉसिंग के पास एक लाल बत्ती ईआरवी एंड बीट स्टाफ के एएसआई रतन लाल मीणा के नेतृत्व में एक टीम, कांस्टेबल राहुल और ट्रैफिक कर्मियों के साथ तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने बेतहाशा हिम्मत और दिमाग की उपस्थिति का प्रदर्शन करते हुए, पॉकेट 8, कालकाजी एक्सटेंशन की निवासी 38 वर्षीय महिला और उसके 5 वर्षीय बच्चे को आग की लपटों से सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया।

तेजी से बढ़ती आग का सामना करते हुए, टीम ने दिल्ली जल बोर्ड से तेजी से एक पानी के टैंकर की व्यवस्था करके उल्लेखनीय संसाधनशीलता का प्रदर्शन किया। उनके निर्णायक और समन्वित प्रयासों ने आग की लपटों को पूरी तरह से दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे जीवन के संभावित नुकसान को रोका जा सके और संपत्ति के नुकसान को कम किया जा सके जो आसपास के अन्य वाहनों को प्रभावित कर सकता था। बचाई गई महिला ने दिल्ली पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया कि उसने समय पर हस्तक्षेप किया जिसने उसे और उसके बच्चे की जान बचाई। एएसआई रतन लाल मीणा, कांस्टेबल राहुल और ट्रैफिक स्टाफ के ठोस प्रयास पुलिस ड्यूटी के उच्चतम मानकों का प्रतीक हैं। सार्वजनिक सुरक्षा, त्वरित सोच और आसन्न खतरे के सामने टीम वर्क के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता सर्वोच्च प्रशंसा के योग्य है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण पूर्व जिले के कार्यालय द्वारा जारी किया गया।

बलिया में अभाविप के प्रांत अधिवेशन का भूमिपूजन:13 से 16 नवंबर तक होगा आयोजन, 1500 कार्यकर्ता जुटेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया- अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) गोरक्ष प्रांत के 65वें प्रांत अधिवेशन के लिए गुरुवार शाम बलिया में भूमिपूजन किया गया। श्रीमुरली मनोहर टाउन डिग्री कॉलेज, सिविल लाइन के ग्राउंड में वैदिक मंत्रोच्चारण और पूर्ण धार्मिक विधि-विधान के साथ यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह प्रचारक सुरजीत, उत्तर प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, अभाविप गोरक्ष प्रांत मंत्री मयंक राय और प्रांत संगठन मंत्री पुनीत अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यह अधिवेशन 13 से 16 नवंबर तक बलिया में आयोजित होगा। इसमें गोरक्ष प्रांत के सभी 17 संगठनात्मक जिलों से लगभग 1500 विद्यार्थी और शिक्षक कार्यकर्ता शामिल होंगे। अधिवेशन का मुख्य विषय 'विकसित भारत में युवाओं की भूमिका' निर्धारित किया गया है, जिसका उद्देश्य युवाओं में राष्ट्र निर्माण के प्रति सक्रिय भागीदारी और जिम्मेदारी की भावना को सशक्त करना है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने इस अवसर पर कहा कि अभाविप ने हमेशा युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी है। उन्होंने स्वयं को परिषद का कार्यकर्ता बताते हुए गर्व व्यक्त किया कि आज भी अभाविप के कार्यों में वही संगठन शक्ति, राष्ट्रनिष्ठा और सेवा भावना जीवंत है। उन्होंने बलिया को त्याग, तप और देशभक्ति की भूमि बताते हुए कहा कि यह अधिवेशन युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करेगा।

भूमि पूजन में शिरकत करते पदाधिकारी।

भूमि पूजन में शिरकत करते पदाधिकारी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत सह प्रचारक सुरजीत ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद राष्ट्र भावना से ओतप्रोत संगठन है, जिसने सदैव देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के लिए कार्य किया है। उन्होंने अभाविप को केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि युवा चेतना का प्रखर स्वर बताया, जो देशभक्ति को आचरण में उतारने का कार्य करता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह 65वां प्रांत अधिवेशन युवाओं में देशभक्ति की भावना को और प्रज्ज्वलित करेगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, साकेत सिंह सोनू, व्यवस्था प्रमुख डॉ. ज्ञानेंद्र नाथ, विभाग प्रमुख डॉ. अनिल तिवारी, हरेंद्र नाथ मिश्र, प्रीतम प्रजापति और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य ऋषभ सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

12 साल से अधर में लटका अकबरपुर संपर्क मार्ग का निर्माण, गड्ढों में समाई 'गड्ढा मुक्त सड़क' योजना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश सरकार भले ही सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के दावे कर रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। चित्रकूट जिले के कर्वी ब्लॉक अंतर्गत आने वाला अकबरपुर संपर्क मार्ग इसका जीवंत उदाहरण है। पीडब्ल्यूडी विभाग की लापरवाही के चलते यह सड़क पिछले 12 वर्षों से मरम्मत और निर्माण कार्य के इंतजार में पड़ी है, जबकि इस रास्ते से रोजाना सैकड़ों ग्रामीणों का आवागमन होता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ने वाला यह संपर्क मार्ग पूरी तरह जर्जर हो चुका है। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बरसात के दौरान पानी भर जाने से सड़क तालाब का रूप ले लेती है। ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम, स्कूल, बाजार और अस्पताल तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

गांव के लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित विभाग से शिकायत की, लेकिन हर बार केवल आश्वासन मिला, काम शुरू नहीं हुआ। किसान पंकज सिंह कहते हैं, 'हर बार अधिकारी कहते हैं कि जल्द सड़क बन जाएगी, लेकिन 12 साल से केवल गड्ढे ही गिन रहे हैं।' वहीं छात्रा पूजा बताती हैं कि खराब सड़क के कारण स्कूली वाहन इस रास्ते पर चलने से कतराते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की 'गड्ढा मुक्त सड़क अभियान' योजना के अंतर्गत दावा किया गया था कि राज्य की सभी सड़कों को दुरुस्त किया जाएगा। लेकिन भरतकूप क्षेत्र की यह सड़क सरकारी दावों की पोल खोल रही है। पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी इस पर चुप्पी साधे हुए हैं। क्षेत्रीय निवासियों ने प्रशासन और सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द अकबरपुर संपर्क मार्ग का पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराया जाए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

तीन आरोपियों के खिलाफ मारपीट व धमकी का मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिशन आरोपियों द्वारा पीड़ित की पिटाई तथा फोन पर जानलेवा धमकी को लेकर लालगंज पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ गुरूवार की रात केस दर्ज किया है। कोतवाली के रामपुर बावली निवासी मो0 शफीक पुत्र स्व0 जाहिद हुसैन ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि उसने दस वर्ष पूर्व अपने पुत्र अनवर का विवाह कोतवाली नगर के भैरवपुर अजीत नगर में किया था। कतिपय कारणों से पीड़ित ने अपने पुत्र को घर से अलग कर दिया। इसी रंजिश के चलते बीती दो नवंबर को दिन में बारह बजे भैरवपुर अजीत नगर निवासी फहीम व तारिक पुत्रगण इसराइल एवं फरहान उर्फ बबलू पुत्र जमील अहमद उसके घर आये। आरोपियों द्वारा गालीगलौज की गयी तो पीड़ित ने मना किया। इस पर आरोपियो ने लाठी डंडे से हमला कर उसे चुटहिल कर दिया। आरोपियो द्वारा गृहस्थी के सामानों में भी तोड़फोड़ की गयी। पीड़ित ने पुलिस को सूचना दिया तब आरोपियो द्वारा बीती पांच नवंबर को फोन पर जानलेवा धमकी दी गयी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने फहीम समेत तीन के खिलाफ मारपीट व गालीगलौज तथा धमकी का केस दर्ज किया है।

राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वे वर्ष को बड़े उत्साह व हर्ष उल्लास से मनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली- दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150वें वर्ष को बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया। इस ऐतिहासिक अवसर को चिह्नित करने के लिए, दिल्ली पुलिस के सभी जिलों और इकाइयों में राष्ट्रगीत के सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन समारोहों के माध्यम से, दिल्ली पुलिस ने एकता, अखंडता और राष्ट्र सेवा के मूल्यों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।दिल्ली पुलिस मुख्यालय में एक मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ वरिष्ठ अधिकारी और पुलिसकर्मी दिल्ली पुलिस आयुक्त, सतीश गोलछा, आईपीएस, की उपस्थिति में सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन करने के लिए एकत्रित हुए। इसके साथ ही, दिल्ली भर के पुलिस थानों में वंदे मातरम के सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें पुलिसकर्मियों और जनता दोनों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया। कई पुलिस थानों और सामुदायिक पुलिस प्रकोष्ठों ने स्कूलों में भी कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें स्कूली बच्चों को भी शामिल किया गया।मुख्य कार्यक्रम के अलावा, दिल्ली पुलिस बैंड और ऑर्केस्ट्रा ने दिल्ली भर में कई प्रमुख स्थानों पर सामूहिक गायन सत्र प्रस्तुत किए, जिससे नागरिकों को जोड़ा गया और पूरे शहर में देशभक्ति की भावना का प्रसार हुआ।वर्ष 1875 में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। यह गीत लंबे समय से भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रतीक रहा है और मातृभूमि के प्रति समर्पण के अपने संदेश से पीढ़ियों को प्रेरित करता रहा है।

दिल्ली-NCR में जहरीली हवा का कहर: 300 पार AQI से आंखों में जलन, खुजली से बढ़ी परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक होता जा रहा है। राजधानी की हवा इतनी खराब हो गई है कि अब इसका असर सिर्फ फेफड़ों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आंखों में भी जलन, खुजली और लालपन जैसी समस्याएं बढ़ने लगी हैं। बीते कुछ दिनों से अधिकांश इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 300 के पार दर्ज किया जा रहा है, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है।

दिल्ली की हवा में क्या है हाल?

शुक्रवार सुबह दिल्ली के अक्षरधाम क्षेत्र में AQI 322 दर्ज किया गया, जबकि आनंद विहार में यह 329 के पार पहुंच गया। कर्तव्य पथ और आईटीओ जैसे इलाकों में भी स्थिति चिंताजनक बनी रही. वहीं, लोधी रोड पर AQI 229 दर्ज किया गया, जो अपेक्षाकृत कम होने के बावजूद सांस लेने और देखने में परेशानी पैदा कर रहा था. प्रदूषण के कारण पूरे NCR क्षेत्र में धुंध छाई हुई है, जिससे दृश्यता भी काफी कम हो गई है।

क्यों बिगड़ रही हैं आंखों की हालत?

दिल्ली के आई7 आई हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. राहिल चौधरी के अनुसार, जब हवा में मौजूद P M2.5, धूल, धुआं, और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसे तत्व आंखों में पहुंचते हैं, तो वे एलर्जिक रिएक्शन पैदा करते हैं। इससे आंखों में खुजली, जलन और ड्राइनेस बढ़ जाती है। प्रदूषण के महीन कण आंखों में बनने वाले आंसुओं के नेचुरल प्रोटेक्शन लेयर को भी प्रभावित करते हैं, जिससे आंखें जल्दी सूखने लगती हैं।

क्या प्रदूषण से आंखों की रोशनी पर असर पड़ सकता है?

विशेषज्ञों का कहना है कि हवा में मौजूद प्रदूषक तत्वों से सीधे तौर पर आंखों की रोशनी पर असर नहीं पड़ता, लेकिन अगर एलर्जी का इलाज समय पर न कराया जाए, तो आंखों में संक्रमण बढ़ सकता है, जिससे आगे चलकर विजन से जुड़ी दिक्कतें हो सकती हैं।

प्रदूषण से आंखों में होने वाले लक्षण
आंखों में लगातार खुजली और जलन
लालपन और सूजन
आंखों में रेत या धूल जैसा महसूस होना
धुंधलापन और थकान
आंखों से पानी आना
सुबह उठने पर आंखों में सूखापन

प्रदूषण के असर से आंखों को कैसे बचाएं?

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि इन दिनों आंखों की देखभाल पर विशेष ध्यान दें –

बाहर निकलते समय सनग्लास या चश्मा जरूर पहनें, ताकि धूल और प्रदूषण से आंखें सुरक्षित रहें।

घर लौटने के बाद आंखों को ठंडे पानी से धोएं, इससे जलन और खुजली में राहत मिलेगी।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ताकि शरीर और आंखों में नमी बनी रहे।

गंदे हाथों से आंखों को छूने से बचें, इससे संक्रमण फैल सकता है।

प्रदूषण के मौसम में मेकअप या आई काजल का इस्तेमाल न करें, क्योंकि इससे आंखों में और जलन हो सकती है।

अगर आंखों में लगातार जलन या सूजन बनी रहती है, तो आई स्पेशलिस्ट से तुरंत परामर्श लें।